कोटद्वार, बुधवार
8 अप्रैल 2026
वर्षः 48
अंकः 307 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

सालों का इंतजार खत्म ! अमरावती बनी आंध्र प्रदेश की राजधानी

सीएम नायडू ने इस फैसले का समर्थन करने राष्ट्रीय नेतृत्व को दिया धन्यवाद

अमरावती (एजेंसी)। सालों के इंतजार के बाद, अमरावती को आधिकारिक तौर पर आंध्र प्रदेश की राजधानी घोषित कर दिया है। 6 अप्रैल को अधिसूचना पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे उस फ़ैसले को कानूनी पुष्टि मिल गई जिसका इंतजार 2014 में राज्य के बंटवारे के बाद से किया जा रहा था। अधिसूचना के मुताबिक अमरावती को 2 जून, 2024 से पिछली तारीख से आधिकारिक राजधानी के रूप में मान्यता दी जाएगी। इससे शासन में निरंतरता सुनिश्चित होती है, साथ ही शहर को प्रशासन के केंद्र के रूप में चुनने के फैसले को कानूनी रूप भी मिलता है। इस घोषणा के साथ ही तेलंगाना के गठन और हैदराबाद के साथ संयुक्त राजधानी की व्यवस्था के बाद से चली आ रही 12 साल की अनिश्चितता का दौर औपचारिक रूप से समाप्त हो गया है।

आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने एक्स पर इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती है। इस तरह हैदराबाद को अस्थायी संयुक्त राजधानी बनाने की पिछली व्यवस्था को बदल दिया गया है। 28 मार्च को राज्य विधानसभा द्वारा अमरावती का समर्थन करने वाला प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद इस फैसले को और गति मिली। इसके बाद, 1 अप्रैल को लोकसभा ने इस विधेयक को मंजूरी दी और 2 अप्रैल को राज्यसभा ने इसे पारित कर दिया।

नायडू ने इस फैसले का समर्थन करने के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व का धन्यवाद किया। उन्होंने इस कानून को अपनी सहमति देने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह आंध्र प्रदेश की मेरी जनता, विशेष रूप से अमरावती के मेरे किसानों की जीत है। जहां कई लोगों ने इस कदम का स्वागत किया, वहीं विपक्ष ने इस फैसले पर सवाल उठाए। वॉयएसआर कांग्रेस पार्टी के सांसद गोल्ला बाबू राव ने इसकी आलोचना करते हुए इस कानून को एक नाटक बताया और कहा कि राजधानी में किसी भी बदलाव से समाज के सभी वर्गों के हितों की पूर्ति होनी चाहिए।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग का विपक्षी प्रस्ताव खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग चलाकर उन्हें हटाए जाने के विपक्षी प्रस्ताव को राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने खारिज कर दिया। इस पर त्वरित प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राज्यसभा में कांग्रेस संसदीय दल के मुख्य सचेतक जयराम रमेश ने कहा, सभापति ने ये फैसला उस दबाव के तहत लिया जिसमें उन्हें पता है कि पूर्व में जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को स्वीकार करने के बाद तत्कालीन सभापति का क्या हश्र हुआ था ! राज्यसभा द्वारा जारी संसदीय बुलेटिन2 के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए लाया गया प्रस्ताव खारिज कर दिया गया है। यह निर्णय राज्यसभा के सभापति द्वारा विस्तृत विचार-विमर्श के बाद लिया गया। निर्णय लेने में सभापति ने संवैधानिक रूप से प्रदत्त खास शक्तियों का उपयोग किया। उल्लेखनीय है कि 12 मार्च को राज्यसभा के 63 विपक्षी सदस्यों द्वारा एक नोटिस प्रस्तुत किया गया था। यह नोटिस भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324(5) और 124(4) के तहत दिया गया था। इसके साथ ही चीफ इलेक्शन कमिश्नर एंड अदर इलेक्शन कमिश्नर्स एक्ट 2023 तथा जजेस (इन्क्वायरी) एक्ट, 1968 के प्रावधानों का हवाला दिया गया था। इस प्रस्ताव का उद्देश्य मुख्य चुनाव आयुक्त को उनके पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू करना था। राज्यसभा के सभापति ने सभी तथ्यों और पहलुओं का गहन और निष्पक्ष मूल्यांकन करने के बाद इस प्रस्ताव को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। उन्होंने जजेस (इन्क्वायरी) एक्ट, 1968 की धारा 3 के तहत अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए नोटिस को 'एडमिट' नहीं किया। इस फैसले का सीधा अर्थ यह है कि मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ हटाने की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ेगी। मामला प्रारंभिक स्तर पर ही समाप्त हो गया। संसद में इस मुद्दे पर आगे कोई जांच या बहस नहीं होगी।

सथानकुलम कस्टोडियल डेथ केस : पिता-पुत्र की मौत पर 9 पुलिसकर्मियों को फांसी की सजा

-कोविड के दौरान नियम तोड़ने पर पुलिस हिरासत में किया गया प्रताड़ित

मदुरै (एजेंसी)। तमिलनाडू के मदुरै की अदालत ने देश को हिला देने वाले सथानकुलम कस्टोडियल डेथ केस में ऐतिहासिक फैसला सुनाकर 9 पुलिसकर्मियों को मौत की सजा दी है। यह घटना 19 जून 2020 की है, जब कोविड-19 लॉकडाउन नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में पी.जयराज को पुलिस ने हिरासत में लिया। उनके बेटे जे. बेनिक्स ने विरोध कर थाने का रुख किया। आरोप है कि इसके बाद दोनों को तमिलनाडु पुलिसकर्मियों ने पूरी रात बेरहमी से प्रताड़ित किया। भारी चोटों के बावजूद पिता-पुत्र को न्यायिक हिरासत में भेजा गया, जहाँ उनकी तबीयत बिगड़ती गई। 22 जून को बेनिक्स और 23 जून को जयराज की अस्पताल में मौत हो गई। इस घटना ने पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन को जन्म दिया और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए। घटना की गंभीरता को देखकर मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने स्वतः संज्ञान लेकर जांच की निगरानी की। बाद में मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई। सीबीआई की चार्जशीट में खुलासा हुआ कि दोनों को बिना ठोस कारण हिरासत में लिया गया, झूठा मामला बनाकर सबूत मिटाने की कोशिश की गई। मेडिकल रिपोर्ट, गवाहों के बयान और न्यायिक मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट ने पुलिस द्वारा यातना की पुष्टि की। इस मामले की सुनवाई कई वर्षों तक चली। गवाहों से जिरह और बार-बार दायर जमानत याचिकाओं के कारण प्रक्रिया लंबी रही। अंततः 23 मार्च 2026 को अदालत ने सभी आरोपियों को दोषी मानकर 6 अप्रैल को उन्हें मौत की सजा सुनाई। अदालत ने पीड़ित परिवार को 1.40 करोड़ रुपये मुआवजा देने का भी आदेश दिया। अदालत ने कहा कि यह 卐दुर्लभतम卐 मामलों में से एक है, जहाँ कानून के रखवाले ही अपराध में शामिल थे। यह फैसला न केवल पीड़ित परिवार के लिए न्याय का प्रतीक है, बल्कि देश में पुलिस हिरासत में होने वाली यातनाओं के खिलाफ एक कड़ा संदेश भी है।

कल्पना सोरेन का असम में जोरदार चुनाव प्रचार, किए बड़े वादे

- जेएमएम जीता तो महिलाओं को मिलेंगे 2500 रुपए, कल्पना सोरेन ने किया ऐलान

दरांग (एजेंसी)। असम विधानसभा चुनाव से पहले झारखंड मुक्ति मोर्चा की विधायक कल्पना सोरेन ने राज्य में व्यापक प्रचार अभियान शुरू किया है। उन्होंने मजदूरों, महिलाओं और युवाओं के हित में कई बड़े वादे किए और लोगों से समर्थन मांगा। सोरेन ने चाय बागानों में काम करने वाले मजदूरों को न्यूनतम 500 रुपये मजदूरी देने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही महिलाओं के लिए हर महीने 2,500 रुपये सम्मान राशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हर परिवार को घर मिलेगा, बच्चों को अच्छी शिक्षा दी जाएगी और युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। मजबूत विधानसभा क्षेत्र में जनसभाओं को संबोधित करते हुए सोरेन ने कहा कि यह चुनाव केवल किसी एक उम्मीदवार की जीत या हार का मामला नहीं है, बल्कि आदिवासी समाज के अधिकार, सम्मान और बेहतर भविष्य की लड़ाई है। सोरेन ने जनता से अपील की कि वे इस चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा को समर्थन दें, ताकि आदिवासी समाज के सामाजिक और आर्थिक कल्याण के लिए ठोस कदम उठाए जा सकें।

बड़ा खुलासा ! नंदीग्राम में 95 प्रतिशत मुसलमानों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के संदर्भ में नंदीग्राम से एक चौंकाने वाला पैटर्न सामने आया है, जहां वोटर लिस्ट से नाम हटाने की प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, क्षेत्र की कुल आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी लगभग 25 प्रतिशत है, लेकिन हटाए गए नामों में उनकी हिस्सेदारी 95.5 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसके विपरीत, लगभग 75 प्रतिशत गैर-मुस्लिम आबादी के बीच नाम हटाने के मामले मात्र 4.5 प्रतिशत दर्ज किए गए हैं। एक पब्लिक पॉलिसी संस्था द्वारा किए गए विश्लेषण में चुनाव आयोग के सप्लीमेंट्री वोटर लिस्ट डेटा का अध्ययन किया गया। सात अलग-अलग सूचियों की जांच में सामने आया कि कई मामलों में हटाए गए नामों में मुसलमानों की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत से लेकर 98 प्रतिशत तक रही। यह आंकड़े आबादी के अनुपात से काफी अलग तस्वीर पेश करते हैं और प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करते हैं। हालांकि, एक सूची में अपवाद भी देखने को मिला। 'लिस्ट 4ए' में हटाए गए सभी नाम गैर-मुस्लिम महिलाओं के थे, जिसमें किसी भी मुस्लिम मतदाता का नाम शामिल नहीं था। इस तरह के अलग-अलग पैटर्न समग्र स्थिति को और जटिल बनाते हैं। दिसंबर 2025 के एक अन्य डेटा सेट में भी मुसलमानों की हिस्सेदारी नाम हटाने के मामलों में 33.3 प्रतिशत पाई गई, जो उनके जनसंख्या अनुपात से अधिक है, हालांकि यह अंतर सप्लीमेंट्री सूची की तुलना में कम है। पूरे घटनाक्रम पर अब तक चुनाव आयोग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। प्रभावित मतदाताओं को ट्रिब्यूनल में अपील करने का विकल्प जरूर दिया गया है, लेकिन पारदर्शिता को लेकर बहस जारी है।

केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा की बुकिंग शुरू होगी 10 से 12 अप्रैल के बीच

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) ने घोषणा की है कि केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा की बुकिंग 10 से 12 अप्रैल के बीच शुरू होगी। यूकाडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉ. आशीष चौहान ने बताया कि इस बार यात्रा को सुरक्षित, पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए कई बड़े बदलाव किए गए हैं। टिकटों की कालाबाजारी और धोखाधड़ी को रोकने के लिए यूकाडा ने इस बार 100 प्रतिशत ऑनलाइन टिकटिंग का फैसला किया है। पिछली बार की तरह इस बार भी बुकिंग का जिम्मा आईआरसीटीसी (आईआरसीटीसी) के पास ही रहेगा।

ममता बनर्जी शेरनी हैं, बीजेपी बंगाल में चुनाव कभी जीत नहीं पाएगी

-संजय राउत बोले- पीएम मोदी का इस्तीफा मांगना बिल्कुल सही

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी द्वारा पीएम मोदी के इस्तीफे की मांग का समर्थन करते हुए उन्हें शेरनी बताया। मंगलवार को मुंबई में राउत ने कहा कि ममता बनर्जी की मांग उचित है और आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में टीएमसी की सफलता पर विश्वास जताया। राउत ने कहा कि ममता ने पीएम मोदी के इस्तीफे की मांग की है। वह बंगाल की शेरनी हैं। बीजेपी बंगाल में कभी जीत नहीं पाएगी। इस चुनाव में भी आपको इसका नतीजा देखने को मिल जाएगा। बंगाल हमेशा उनके शासन में रहेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संजय राउत ने पीएम मोदी की उस टिप्पणी की भी आलोचना की जिसमें उन्होंने कांग्रेस पर पाकिस्तान की भाषा बोलने का आरोप लगाया था। उन्होंने पीएम मोदी के अपने बयानों पर सवाल उठाते हुए उन पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने झुकने का आरोप लगाया। राउत ने कहा कि अगर पीएम मोदी कहते हैं कि कांग्रेस पाकिस्तान की भाषा बोल रही है, तो वह किसकी भाषा बोल रहे हैं? ट्रंप ने भारत को कमजोर करने की कोशिश की है। हमारे पीएम को यह बात समझ नहीं आ रही है और हमारी सरकार ट्रंप के सामने झुक गई है।

इसके अलावा राउत ने बारामती में चल रहे चुनाव पर भी बात की, जहां कांग्रेस ने महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुमित्रा पवार के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारा है। उन्होंने इसे एक सामान्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया बताया और दिवंगत एनसीपी नेता अजीत पवार की तारीफ करते हुए उन्हें एक महान और प्रभावशाली नेता बताया। उन्होंने कहा कि अजित दादा के बाद बारामती में हो रहे चुनाव के संबंध में कांग्रेस ने सुमित्रा पवार के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारा है। यह चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा है, कोई भी अपना उम्मीदवार खड़ा कर सकता है। इसे नकारा नहीं जा सकता। अजीत पवार एक महान नेता थे और महाराष्ट्र के बारामती में उनका प्रभाव काफी रहा, लेकिन उम्मीदवार खड़ा करना और चुनाव लड़ना लोकतंत्र का एक सामान्य हिस्सा है।

एसआईआर में हुए अपमान का बदला ले जनता: ममता दीदी

दीदी के बयान से चुनावी पारा चढ़ा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एसआईआर प्रक्रिया में चुनाव आयोग द्वारा जो गड़बड़ियां की जा रही हैं। उससे पश्चिम बंगाल में भारी नाराजी देखने को मिल रहीहै। चुनाव प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उसके बाद भी एसआईआर की कार्रवाई पूरी नहीं हुई है। मतदाता सूची अभी भी तैयार हो रही है। लाखों वोटर के नाम मतदाता सूची में नहीं जोड़े गए हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रत्येक जनसभा में जनता से आह्वान कर रही हैं। एसआईआर के माध्यम से जो अपमान चुनाव आयोग द्वारा मतदाताओं का किया जा रहा है। ममता दीदी ने कहा इसका बदला लिया जाना चाहिए। वोट के जरिए मतदाता अपने अपमान का बदला ले।

ममता दीदी लगातार चुनावी रैली को संबोधित कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और कांग्रेस के साथ भारतीय जनता पार्टी का गुप्त समझौता है।

संविधान के चित्रकार के पोते और पत्नी का नाम कटा

पश्चिम बंगाल में फिर में संविधान की चित्रकार नंदलाल बोस के पोते सुप्रभद्र सेन जिनकी उम्र 88 वर्ष है तथा उनकी पत्नी का नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है उनका नाम अभी भी पेंडिंग सूची में डाल कर रखा गया है जिसके कारण वह अपने मतदान के अधिकार से वंचित हो जाएंगे सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश में उन्हें टर्मिनल में जाने का सुझाव दिया गया है इसी तरह से कांग्रेस की उम्मीदवार अरशद अली का नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है।

ममता बनर्जी और टीएमसी का कहना है चुनाव को प्रभावित करने के लिए चुन चुन कर टीएमसी के वोटो का नाम मतदाता सूची से गायब किया गया है सुप्रीम कोर्ट द्वारा कोई अंतिम तारीख तय नहीं की गई है इस बीच में चुनाव चल रहे हैं जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में नहीं जुड़ेंगे वह मतदान नहीं कर पाएंगे चुनाव के बाद यदि उनके नाम जुड़ भी गए तो इसका सीधा नुकसान टीएमसी को होने जा रहा है जिसके कारण पश्चिम बंगाल का चुनावी पारा बहुत बढ़ा हुआ है लाखों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से बाहर हो जाने के कारण जगह पर भारी विरोध होने की संभावना जताई जा रही है जिसके कारण कानून व्यवस्था की स्थिति को बनाए रखना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती साबित होगी

विपक्षी दलों के 196 सांसदों ने चुनाव आयोग के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव प्रस्तुत किया था इसे संसद के दोनों सदनों ने खारिज कर दिया है जिसके कारण सियासी पारा दिन प्रतिदिन चढ़ता जा रहा है।

यूपी के दंगल में चिराग पासवान की एंट्री: सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने का किया ऐलान

लखनऊ (एजेंसी)। बिहार की राजनीति के बाद अब लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के मुखिया और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने उत्तर प्रदेश की सियासी जमीन पर अपनी दावेदारी मजबूत कर दी है। पार्टी ने आगामी 2027 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में राज्य की सभी 403 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का औपचारिक ऐलान कर दिया है। इस फैसले ने उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है, क्योंकि चिराग की नजर अब यूपी के दलित और युवा वोट बैंक पर टिक गई है। लोकसभा चुनाव में 100 प्रतिशत स्ट्राइक रेट के साथ बिहार में अपनी ताकत साबित करने वाले चिराग पासवान अब पार्टी के राष्ट्रीय विस्तार की योजना पर काम कर रहे हैं।

पार्टी के पूर्वी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासवान ने स्पष्ट किया कि केंद्र में भले ही उनका गठबंधन भाजपा के साथ है, लेकिन उत्तर प्रदेश में फिलहाल किसी दल से गठबंधन नहीं है। पार्टी यहाँ यूपी फर्स्ट और यूपी वाले फर्स्ट के संकल्प के साथ चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। चिराग का मानना है कि उनके पिता स्वर्गीय

रामविलास पासवान का उत्तर प्रदेश में एक समय बड़ा आधार रहा है, जिसे फिर से संगठित कर पार्टी को एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित किया जा सकता है। हालांकि चिराग भाजपा के भरोसेमंद सहयोगी हैं, लेकिन सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने का बयान एक रणनीतिक संकेत माना जा रहा है। जानकारों का कहना है कि यदि भाजपा के साथ सीटों पर सम्मानजनक समझौता नहीं हुआ, तो पार्टी अकेले ही ताकत दिखाएगी। फिलहाल, संगठन ने जिला स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं और आने वाले महीनों में राज्य के प्रमुख शहरों में बड़ी रैलियों के जरिए शक्ति प्रदर्शन करने की योजना बनाई गई है।

बदलेंगे दलित राजनीति के समीकरण

उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के गिरते ग्राफ और चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी के उभार के बीच चिराग की एंट्री बेहद अहम मानी जा रही है। चिराग का लक्ष्य उन क्षेत्रों पर है जहाँ पासवान और अन्य दलित उपजातियों की संख्या प्रभावी है। उनका युवा चेहरा और ओजस्वी भाषण शैली युवाओं को आकर्षित करने की क्षमता रखती है, जो मायावती के पारंपरिक वोट बैंक और चंद्रशेखर की सक्रियता के लिए चुनौती बन सकती है।

नवजोत कौर सिद्धू ने भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी का किया ऐलान, पंजाब को स्वर्ण राज्य बनाने का संकल्प

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा चुनाव से ठीक एक साल पहले राज्य की सियासत में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। पूर्व क्रिकेटर और कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने अपनी नई राजनीतिक पारी का आगाज कर दिया है। उन्होंने अपनी नई पार्टी के नाम की घोषणा करते हुए इसे भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी (बीआरपी) का नाम दिया है। नवजोत कौर ने स्पष्ट किया है कि यह पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर एक नए विकल्प के रूप में उभरेगी और इसका प्राथमिक लक्ष्य पंजाब के खोए हुए गौरव को वापस लाना है।

सोशल मीडिया के जरिए इस नई शुरुआत की जानकारी साझा करते हुए नवजोत कौर ने लिखा कि यह एक ऐसी घोषणा है जिसका लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था। उन्होंने मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य पर कटाक्ष करते हुए कहा कि नेताओं के प्रदर्शन को परखने के बाद उन्होंने देश के लिए अपना जीवन

समर्पित करने का फैसला लिया है। उनके मुताबिक, एक ईश्वरीय शक्ति ने समान सोच वाले उन लोगों को एकजुट किया है जिनमें साहस, आत्मविश्वास और हर राज्य में काम करने का दृढ़ संकल्प है। पार्टी का साझा लक्ष्य उच्च चेतना के माध्यम से समाज में न्याय, शांति और प्रेम स्थापित करना है।

नवजोत कौर का यह कदम पंजाब की राजनीति में त्रिकोणीय मुकाबले को और दिलचस्प बना सकता है। वर्तमान में राज्य में आम आदमी पार्टी की सरकार है, जबकि कांग्रेस और भाजपा अपनी जमीन मजबूत करने में जुटी हैं। बीआरपी की एंट्री से खास तौर पर सत्ताधारी दल और मुख्य विपक्षी दलों के लिए नई चुनौती खड़ी हो गई है। नवजोत कौर ने वादा किया है कि वह पंजाब को फिर से गोल्डन स्टेट बनाएंगी, जहां लोगों को न्याय, आजादी और बिना किसी बाहरी दखल के रहने का अधिकार होगा। गौरतलब है कि नवजोत कौर सिद्धू को हाल ही में कांग्रेस से निष्कासित कर दिया गया था। उन्होंने मुख्यमंत्री पद के लिए 500 करोड़ रुपये की मांग किए जाने के गंभीर आरोप लगाकर सियासी गलियारों में हड़कंप मचा दिया था। इसके बाद कांग्रेस के पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल ने उनके निष्कासन की पुष्टि की थी। कांग्रेस छोड़ने के बाद उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष राजा वड़िंग पर भी तीखे हमले किए थे। अब नई पार्टी के गठन के साथ ही नवजोत कौर ने संकेत दिए हैं कि जल्द ही संगठन विस्तार को लेकर बड़ी घोषणाएं की जाएंगी, जो आगामी चुनावों में भाजपा और अन्य दलों के समीकरण बिगाड़ सकती हैं।

घुसपैठ और तस्करी पर लगाम लगाने भारत-बांग्लादेश सीमा पर छोड़े जाएंगे सांप-मगरमच्छ !

-175 किलोमीटर नदी और दलदली इलाका, सामान्य बाड़ लगाना संभव नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर घुसपैठ और तस्करी पर लगाम कसने पारंपरिक बाड़ और टेक्नोलॉजी के अलावा प्रकृति का खतरनाक हथियार इस्तेमाल करने की तैयारी चल रही है। खबर है कि बीएसएफ ने अपने फील्ड यूनिट्स को निर्देश दिया है कि वे नदी और दलदली इलाकों में सांप और मगरमच्छ जैसे सरीसृपों के इस्तेमाल की संभावनाओं का अध्ययन करें। भारत-बांग्लादेश की 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा में करीब 175 किलोमीटर नदी और दलदली इलाका है, जहां बाढ़ और भौगोलिक स्थिति के कारण सामान्य बाड़ लगाना संभव नहीं होता।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे में बीएसएफ अब प्रकृति को ही सुरक्षा का हथियार बनाने की सोच रही है। माना जा रहा है कि अगर यह योजना लागू होती है, तो घुसपैठियों के लिए सीमा पार करना पहले से कहीं ज्यादा खतरनाक हो सकता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देशों के बाद यह विचार सामने आया है। 26 मार्च को बीएसएफ मुख्यालय से भेजे गए एक आंतरिक संदेश में कहा गया है कि जिन नदी वाले इलाकों में बाड़ लगाना संभव नहीं है, वहां 'प्राकृतिक अवरोध' के तौर पर सांप और मगरमच्छ जैसे जीवों का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, फिलहाल यह योजना केवल चर्चा और व्यवहार्यता जांच के स्तर पर है, इसे लागू करने का कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है।

बता दें इस साल फरवरी में दिल्ली स्थित बीएसएफ मुख्यालय में हुई बैठक के बाद यह कम्युनिकेशन जारी किया गया। संदेश में सीमा चौकियों को 'डार्क जोन' के रूप में चिन्हित करने और वहां रहने वाले गांववालों के खिलाफ दर्ज मामलों की रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक बीएसएफ के एक अधिकारी ने साफ किया कि अभी यह सिर्फ चर्चा का विषय है। अभी तक सांप-मगरमच्छ तैनात करने का कोई आदेश नहीं दिया गया है। सिर्फ संभावना तलाशने को कहा है। इसमें कई चुनौतियां हैंज्सरीसृपों को कहां से लाया जाए, उनका रखरखाव कैसे हो और नदी किनारे रहने वाले स्थानीय लोगों पर इसका क्या असर पड़ेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक अगर यह योजना लागू हुई तो घुसपैठिए और तस्करों के लिए भारत में घुसने का ख्याल आते ही वह कांप जाएंगे। नदी के पानी में मगरमच्छ और घने जंगलों में जहरीले सांप हैंज्यह सोचकर ही कोई भी गैरकानूनी तरीके से सीमा पार करने से पहले कई बार सोचेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि नदी वाले इलाकों में जहां फेंसिंग नहीं लग पाती, वहां प्राकृतिक बाधाएं काफी प्रभावी साबित हो सकती हैं, लेकिन साथ ही यह भी चिंता जताई कि बाढ़ के समय ये सरीसृप दोनों तरफ के गांवों के लिए खतरा बन सकते हैं।

बीएसएफ अधिकारी मानते हैं कि सांप और मगरमच्छ तैनात करना आसान नहीं होगा। इनकी खरीद, रखरखाव, प्रजनन और स्थानीय पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव

को ध्यान में रखना होगा। साथ ही बाढ़ के मौसम में इनके गांवों में घुस आने का खतरा भी बना रहेगा। फिलहाल यह प्रस्ताव चर्चा के चरण में है। बीएसएफ पूर्वी कमांड को डार्क जोन की मैपिंग करने और रिपोर्ट देने को कहा गया है।

विकास कार्यों में देरी पर अधिकारियों की तय होगी जिम्मेदारी : धामी

पर्वतीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए ,मुख्यमंत्री ने की 5 विधानसभाओं की सीएम घोषणाओं की समीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। विधायकों द्वारा अपने क्षेत्र की जिन समस्याओं को उठाया जा रहा है, अधिकारी उन्हें गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर समाधान करें। जिन योजनाओं का समाधान शीघ्र हो सकता है, यह सुनिश्चित किया जाए कि उनमें अनावश्यक विलंब न हो। कार्यों में अनावश्यक देरी करने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए। विकास कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। सभी विभाग आपसी समन्वय से जन समस्याओं का समाधान करें।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को सचिवालय में मुख्यमंत्री घोषणाओं के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र थराली, कर्णप्रयाग, केदारनाथ, रुद्रप्रयाग और देवप्रयाग की समीक्षा के दौरान ये निर्देश अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जन समस्याओं का समाधान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनप्रतिनिधियों के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखते हुए अधिकारी आमजन की समस्याओं का समाधान करें। उन्होंने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य और शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। हेली एंबुलेंस की समय पर उपलब्धता और दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किए जाएं। निर्माण से संबंधित कार्यों में यदि किसी विभाग द्वारा प्रस्ताव किसी अन्य विभाग को हस्तांतरित किया जाना है, तो उसे शीघ्र भेजा जाए। विलंब करने पर संबंधित विभागों की जिम्मेदारी तय की जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री घोषणाओं से संबंधित वन विभाग के स्तर पर लंबित प्रकरणों की अलग से समीक्षा की जाए। बैठक में कैबिनेट मंत्री भरत चौधरी, विधायक कर्णप्रयाग अनिल नौटियाल, विधायक थराली भूपाल राम टम्टा, केदारनाथ विधायक श्रीमती आशा नौटियाल, देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगोली, नितेश झा, दिलीप जावलकर, सचिन कुर्वे, रविनाथ रमन, एस.एन. पांडेय, डॉ. पंकज कुमार पांडेय, डॉ. आर. राजेश कुमार, धीराज गर्ब्याल आदि मौजूद थे।

यात्रा के लिए सभी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाएं

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी चारधाम यात्रा के दृष्टिगत सभी तैयारियां समय पर पूर्ण कर ली जाएं। वाणिज्यिक सिलेंडरों के संबंध में होटल एसोसिएशन के साथ समय-समय पर बैठक कर उनकी समस्याओं का समाधान किया जाए। यात्रा के लिए सभी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाया जाए। उन्होंने मुख्य सचिव को निर्देश दिए कि मानसून से पहले वर्षाकाल की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित की जाए। बाढ़ नियंत्रण से संबंधित कार्य समय पर पूर्ण किए जाएं।

एसडीएम कार्यालय के बाहर किसान ने किया आत्मदाह का प्रयास

काशीपुर। खेत का रास्ता खुलवाने की लंबे समय से मांग कर रहे किसान ने एसडीएम कार्यालय के बाहर डीजल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया, लेकिन मौके पर मौजूद एलआईयू और पुलिस कर्मियों ने रोक लिया और डीजल की केन छीन ली। वहीं सूचना पर सीओ चकबंदी, आईटीआई कोतवाली प्रभारी समेत पुलिल फोर्स पहुंच गया। पुलिस ने किसान को हिरासत में ले लिया। जानकारी के मुताबिक ग्राम ढकिया कला निवासी राजकुमार गिरी का भूमि विवाद चल रहा है।

मांगों के निस्तारण के लिए वह लगातार अधिकारियों से भी पत्राचार कर रहा है। यहां तक प्रशासन द्वारा उसकी भूमि पर चौपाल लगाकर कई समस्याओं का निस्तारण भी कर दिया गया। अब एक बार फिर किसान राजकुमार ने खेत में जाने वाले रास्ते को खुलवाने की मांग कर दी। साथ ही मांग पूरी न होने पर आत्मदाह की धमकी दी। किसान ने कहा कि रास्ता न होने के कारण वह अपने गन्ने की फसल नहीं काट पाया है। उसकी फसल बर्बाद हो रही है।

संक्षिप्त समाचार

कपकोट में गुलदार के हमले में 18 बकरियां मरीं

बागेश्वर। ग्राम पंचायत पोथिंग में गुलदार के हमले से एक गरीब पशुपालक परिवार पर बड़ा संकट आ गया है। दुणी तोक निवासी सोबन सिंह की 18 बकरियां गुलदार का शिकार बन गईं, जबकि छह बकरियां अब भी लापता बताई जा रही हैं। जानकारी के अनुसार, बकरियां रोज की तरह जंगल में घास चरने गई थीं। इसी दौरान घात लगाए बैठे गुलदार ने उन पर हमला कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है।सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थलीय निरीक्षण किया। विभागीय कांडपाल ने बताया कि मौके पर 18 बकरियां मृत अवस्था में मिलीं, जबकि छह बकरियों के गायब होने की पुष्टि हुई है। प्रभावित पशुपालक को नियमानुसार मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वन विभाग ने क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी है और ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की है। वहीं स्थानीय ग्रामीणों ने गुलदार की बढ़ती सक्रियता को देखते हुए विभाग से ठोस कार्रवाई और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

बंद मकान में चोरी, नगदी–जेवरात ले उड़े चोर

विकासनगर।कोतवाली विकासनगर क्षेत्र में अज्ञात चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाते हुए नगदी और जेवरात चोरी कर लिए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चोरों की तलाश के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फुटेज से जल्द ही आरोपियों की पहचान कर ली जाएगी। क्षेत्र में लगातार गश्त बढ़ाई गई है ताकि ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। चोरी की इस वारदात से स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल है। वहीं, पुलिस ने लोगों से अपील की है कि लंबे समय तक घर खाली छोड़ने से पहले सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करें।

तेज रफ्तार का कहर, खड़े ट्राले से टकराई बाइक, युवक की मौत

हरिद्वार। हरिद्वार–नजीबाबाद हाईवे पर सोमवार देर रात तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। पीली होटल के पास एक बाइक सवार अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे खड़े ट्रॉले में पीछे से जा टकराया। हादसे में युवक की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, गैंडीखाता निवासी 19 वर्षीय हर्षित कुमाई श्यामपुर स्थित अमात्रा होटल में काम करता था। देर रात बाइक से अपने घर लौट रहा था। हरिद्वार–नजीबाबाद हाईवे पर उसकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रेलर (घोड़ा ट्रक) से टकरा गई, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने 108 एंबुलेंस की मदद से उसे जिला अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोतवाली प्रभारी नितेश शर्मा ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। ट्रेलर को कब्जे में लेकर आगे की कार्यवाही की जा रही है।

आर्थिक तंगी से परेशान दुकान संचालक ने की आत्महत्या

देहरादून। कैंट क्षेत्र के भूड़गांव पंडितवाड़ी में आर्थिक तंगी से परेशान एक व्यक्ति ने अपनी इलेक्ट्रिक दुकान में फांसी लगाकर जान दे दी। मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द किया गया। कैंट इंस्पेक्टर केके लुंठी ने बताया कि सोमवार देर रात घटना की सूचना मिली। मृतक की पहचान 48 वर्षीय आशीष सेमल्टी के रूप में हुई है। जो भूड़गांव पंडितवाड़ी में इलेक्ट्रिक सामान की दुकान चलाते थे। पुलिस के अनुसार आशीष पिछले कुछ समय से आर्थिक तंगी के कारण तनाव में थे। इसी अवसाद के चलते उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया। परिजनों ने बताया कि सोमवार शाम छह बजे आशीष घर से दुकान गए थे। रात को देर तक वापस नहीं लौटे तो तलाश की गई। परिजन दुकान पर पहुंचे तो दरवाजा बंद था। किसी तरह दरवाजा खोलकर देखा तो आशीष फंदे पर लटके मिले।

बदरीनाथ की गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा शुरू

ऋषिकेश। मंगलवार को नरेंद्र नगर राज दरबार में मां त्रिपुरा सुंदरी शिव शक्ति धाम आश्रम के पीठाधीश्वर 1008 हरिओम महाराज, टिहरी सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह, उनकी सुपुत्री श्रीजा शाह और कई सुहागिन महिलाओं ने पीले वस्त्र धारण कर तिलों से तेल पिरोकर गाडू घड़ा कलश यात्रा का शुभारंभ किया। यह यात्रा बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की धार्मिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। तेल कलश यात्रा 7 अप्रैल को नरेंद्र नगर से शुरू होकर ऋषिकेश, श्रीनगर गढ़वाल, नृसिंह मंदिर ज्योतिर्मठ और पांडुकेश्वर जैसे प्रमुख पड़ावों से गुजरते हुए 22 अप्रैल को बदरीनाथ धाम पहुंचेगी। 23 अप्रैल को सुबह 6 बजकर 15 मिनट पर विधि–विधान के साथ श्री बदरीनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। इस यात्रा के दौरान कलश में भरा गया तिल का पवित्र तेल भगवान बदरी विशाल के अभिषेक और श्रृंगार में उपयोग किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 19 अप्रैल को यात्रा पाखी गांव, 20 अप्रैल को नृसिंह मंदिर ज्योतिर्मठ और रविग्राम, 21 अप्रैल को पांडुकेश्वर में रात्रि विश्राम करेगी।

इस अवसर पर कुल पुरोहित कृष्णकांत उनियाल, अहाना शाह, सरिता जोशी, बबली रावत, शकुंतला देवी, मकानी देवी सहित अनेक सुहागिन महिलाएं उपस्थित रहीं। इस धार्मिक अनुष्ठान के साथ ही बदरीनाथ धाम यात्रा की तैयारियों का औपचारिक शुभारंभ हो गया।

गंगा–यमुना में अर्पित किए जाने वाले वस्त्र इस वर्ष भी बनेंगे चुनौती

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा में प्रशासन और मंदिर समितियों के लिए गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में गंगा–यमुना में चढ़ाए जाने वाले वस्त्रों से नदियों की स्वच्छता एक बड़ी चुनौती होगी। हालांकि गत वर्ष गंगोत्री में इन कपड़ों का प्रयोग बैग बनाने के लिए किया गया था। साथ ही यमुनोत्री में भी अभियान चलाया गया था। चारधाम यात्रा के दौरान लाखों श्रद्धालु गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। श्रद्धालु गंगा और यमुना नदी में साड़ियां, वस्त्र और श्रृंगार सामग्री अर्पित करते हैं। गंगा विचार मंच और अन्य संगठनों की ओर से इस मुद्दे को उठाने के बाद शासन–प्रशासन हरकत में आया था। उसके बाद वर्ष 2023 से अभियान भी चलाया जाता है लेकिन हर वर्ष यह चुनौती बनता है। क्योंकि इसको लेकर गंगोत्री और यमुनोत्री धाम मंदिर समितियों और तीर्थ पुरोहितों की ओर से भी कोई उचित कदम नहीं उठाया जाता है। वे घाटों पर पूजा करवाते समय स्वयं ही श्रद्धालुओं से कपड़ों को नदी में श्रद्धा के नाम पर अर्पित करवा देते हैं। साथ ही प्रशासन की ओर से भी इसको रोकने के लिए कोई ठोस योजना तैयार नहीं की गई है।

स्वास्थ्य मंत्री ने विश्व स्वास्थ्य दिवस पर नागरिकों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का किया आह्वान

देहरादून। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर दून विहार, जाखन में संजय ऑर्थोपीडिक, स्पाइन एवं मैटरनिटी सेंटर एवं सेवा सोसाइटी द्वारा आयोजित "स्वस्थ भारत झ विकसित भारत" कार्यक्रम में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित हुए और कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन समृद्ध समाज और सशक्त राष्ट्र की सबसे महत्वपूर्ण नींव है। स्वस्थ नागरिक ही विकास की गति को आगे बढ़ाते हैं और राष्ट्र निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के विज़न को साकार करने के लिए देश में [illegible] जैसे अभियानों के माध्यम से लोगों को स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने 'मन की बात' कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने देशवासियों से दैनिक जीवन में शुगर की मात्रा कम करने, तैलीय खाद्य पदार्थों से परहेज करने तथा नियमित योग एवं व्यायाम को अपनाने का आह्वान किया है।

राज्य की बोलियों और साहित्य संरक्षण हेतु भाषा विभाग को मिले नए दिशा–निर्देश

देहरादून। प्रदेश के भाषा विभाग के मंत्री खजान दास ने विधान सभा स्थित सभागार कक्ष में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में मंत्री ने भाषा विभाग के कार्यों की विस्तार से जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित अधिकारियों को विभिन्न बिन्दुओं पर आवश्यक दिशा–निर्देश दिये। मंत्री ने कहा कि भाषा विभाग राजभाषा हिन्दी, उत्तरखण्ड की क्षेत्रीय बोलियों को विकसित करने एवं उर्दू, पंजाबी भाषाओं को संवर्द्धित करने, प्राचीन साहित्य को संरक्षित रखते हुए विश्व स्तरीय सम्मानित एवं सर्वाधिक प्रचलित व प्रयोग में लाई जाने वाली भाषाओं के समकक्ष लाने के लिए अच्छा कार्य कर रहा है अधिकारियों को चाहिए कि वे और बेहतर कार्य करें। उन्होंने कहा कि भाषा विभाग प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सपनों के अनुसार नवाचार पर अधिक बल दें। प्रदेश के युवा एवं बाल साहित्यकारों को प्रोत्साहित करने हेतु विशेष प्रयास किये जाएं। मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि भाषा विभाग के अंतर्गत किये जाने वाले कार्यों हेतु विभागीय बजट का बढ़ाया जाना अति आवश्यक है लिहाजा विभागीय अधिकारी उत्तरखण्ड भाषा विभाग के ढांचे, विभाग के अंतर्गत होने वाले प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन, भाषा अध्ययन केन्द्रों की स्थापना, पुस्तक मेलों के आयोजन, साहित्य ग्राम की स्थापना, साहित्य कल्याण कोष एवं बुजुर्ग साहित्यकारों को पेंशन योजना से आच्छादित करने हेतु बजट प्रस्ताव तैयार करें।

मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि प्रदेश के गढ़वाल, कुमांऊव जौनसार बावर क्षेत्र में विभिन्न अवसरों पर होने वाले पौराणिक गायनों का अभिलेखिकरण एवं दस्तावेजीकरण अति आवश्यक है लिहाजा अधिकारी जौनसार बावर क्षेत्र में पौराणिक काल से प्रचलित पंडवाणी गायन बाकणा जो विलुप्ति के कगार पर है सहित गढ़वाल व कुमांऊ के प्रचलित पौराणिक गायनों के अभिलेखिकरण एवं दस्तावेजीकरण हेतु संबंधित क्षेत्रों में आयोजित होने वाले मेलों व कार्यक्रमों में जाकर स्थलीय निरीक्षण करें।

मंत्री ने कहा कि दीर्घकालीन साहित्यिक योगदान एवं साहित्य सेवा के लिए साहित्यकारों को दिया जाने वाला दीर्घकालीन साहित्यसेवी सम्मान आगामी समय में प्रदेश के अधिक से अधिक पात्र साहित्यकारों को दिया जाए। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि भाषा संस्थान की साधारण सभा के गठन हेतु प्रदेश के जिन जनपदों से संबंधित जिलाधिकारियों द्वारा साहित्यकारों के नाम नहीं दिये गये हैं उनसे पुनः पत्राचार कर साहित्यकारों के नाम मांगे जाएं।

कैबिनेट मंत्री बहुगुणा ने आईटीआई भवन का किया लोकार्पण

उत्तरकाशी। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने मंगलवार को जोशियाड़ा में नवनिर्मित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भवन का लोकार्पण किया। जोशियाड़ा में 217.33 लाख रुपये की लागत से आईटीआई भवन बना है। मंत्री बहुगुणा ने उत्तरकाशी की आईटीआई को भी जल्द ही डीएसटी मॉडल से जोड़ने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सीमांत जिलों के युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही बेहतर तकनीकी शिक्षा और प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पीएम सेतु हब स्कोप मॉडल लागू किया गया है। साथ ही प्रदेश में पहली बार डीएसटी मॉडल शुरू किया गया है जिससे युवाओं को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण का लाभ मिल रहा है। उत्तरकाशी की आईटीआई को भी डीएसटी मॉडल से जोड़ा जाएगा। मंत्री ने कहा कि उत्तरकाशी आईटीआई को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगा जिससे विद्यार्थियों को उन्नत तकनीकी प्रशिक्षण मिल सके। बड़कोट की आईटीआई को पहले ही सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तहत टाटा टेक्नोलॉजी से जोड़ा जा चुका है जिसका सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है। आईटीआई जैसे संस्थान युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर विधायक सुरेश चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष रमेश चौहान, डीएम प्रशांत आर्य, एसपी कमलेश उपाध्याय, सीडीओ जयभारत सिंह, विधायक सुरेश चौहान, दर्जाधारी प्रताप पंवार मौजूद थे।

लंबगांव–चमियाला सड़क चौड़ीकरण को करना होगा इंतजार

उत्तरकाशी। प्रतापनगर और भिलंगना ब्लॉक क्षेत्र के लोगों को लंबगांव–कोटालगांव–चमियाला सड़क चौड़ीकरण होने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। स्थानीय लोग लंबे समय से सड़क को डेढ़ लेन बनाने की मांग करते आ रहे हैं लेकिन शासन स्तर पर इस मामले में कोई ठोस पहल शुरू नहीं हो सकी है। लंबगांव–कोटालगांव–चमियाला सड़क प्रतापनगर और भिलंगना ब्लॉक के बड़े क्षेत्र को जोड़ने के साथ ही चारधाम यात्रा के दौरान भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम से केदारनाथ जाने वाले श्रद्धालु इसी मार्ग से गुजरते हैं लेकिन सड़क संकरी होने के कारण यात्रियों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। लंबगांव से चमियाला तक लगभग 40 किमी लंबे मार्ग पर केमुंडाखाल, कोटालगांव और आबकी खिट्टा के समीप सड़क की हालत बेहद खराब है। सड़क की जर्जर स्थिति के कारण यात्रियों को आए दिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। चारधाम यात्रा शुरू होने में अब महज एक सप्ताह का समय बचा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि सड़क का चौड़ीकरण हो जाता, तो क्षेत्र के लोगों के साथ–साथ चारधाम यात्रियों को भी सुगम सफर की सुविधा मिलेगी।पूर्व जिला पंचायत सदस्य गोविंद सिंह रावत का कहना है कि सरकार को सड़क के चौड़ीकरण को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने बताया कि कई बार इस संबंध में शासन–प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जा चुका है लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है। लोनिवि प्रांतीय खंड बौराड़ी के ईई योगेश कुमार ने बताया कि लंबगांव–कोटालगांव–चमियाला सड़क चौड़ीकरण के लिए शासन को प्रथम चरण का प्रस्ताव बनाकर भेजा गया है।

ओला–उबर और रैपिडो में चल रहे 17 प्राइवेट वाहन सीज

देहरादून। दून में ओला, उबर और रैपिडो जैसे ऐप के माध्यम से निजी वाहनों के व्यावसायिक संचालन के खिलाफ आरटीओ ने अभियान चलाया। तीन दिवसीय छापेमारी के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले 17 वाहनों को सीज कर दिया गया है। आरटीओ की चार टीमों ने 5 अप्रैल से 7 अप्रैल के बीच शहर के राजपुर रोड, मसूरी मार्ग, चकराता रोड और शिमला बाईपास समेत प्रमुख मार्गों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान अधिकारियों ने खुद यात्री बनकर रैपिडो और ओला ऐप से बुकिंग की। जैसे ही निजी नंबर की गाड़ियां सवारी लेने पहुंचीं, उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया गया। अभियान में 143 दुपहिया और 43 चौपहिया वाहनों की जांच की गई। आरटीओ प्रवर्तन डॉ. अनीता चमोला ने बताया कि उत्तराखंड में केवल पीली नंबर प्लेट वाले व्यावसायिक वाहनों को ही ऐप पर पंजीकृत करने की अनुमति है।

कुंभ–2027 की तैयारियां तेज, सड़कों–पार्किंग से लेकर अतिक्रमण हटाने के आदेश

हरिद्वार। आगामी कुंभ मेले के लिए मेला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मेलाधिकारी सोनिका ने मंगलवार को कुंभ क्षेत्र के प्रमुख मार्गों, चौराहों, पार्किंग स्थलों और सार्वजनिक स्थानों का सघन निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की हकीकत परखीं। उन्होंने साफ निर्देश दिए कि सभी कार्य समय–सीमा के भीतर और गुणवत्ता के साथ पूरे हों। कांवड़ पटरी मार्ग की सफाई और सुधार कार्यों को प्राथमिकता में रखने को कहा। उन्होंने सड़कों और सार्वजनिक स्थलों से अतिक्रमण हटाने के सख्त आदेश दिए। हरकी पैड़ी से शुरू हुए निरीक्षण के दौरान मेलाधिकारी ने पुल जटवाड़ा, बहादराबाद, कांवड़ पटरी मार्ग और बाईपास रोड तक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके अलावा ज्वालापुर, भीमगोड़ा, खड़खड़ी, सर्वानंद घाट और लालजीवाला क्षेत्र के आंतरिक मार्गों की स्थिति भी देखी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जहां

भी कार्यों की आवश्यकता है, वहां तुरंत आकलन कर काम शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी पार्किंग स्थलों को सुव्यवस्थित किया जाए और अस्थायी पार्किंग में जरूरी सुविधाएं समय से उपलब्ध कराई जाएं।

उत्तराखण्ड में आयुष विभाग का विस्तार, ब्लॉक स्तर पर योग–वेलनेस सुविधाएं शुरू होंगी

देहरादून। मंत्री ने कहा कि आयुष एवं आयुष शिक्षा विभाग राज्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण विभाग है जिसके अंतर्गत राज्य में 3 राजकीय परिषर 13 जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी सेवा कार्यालय, 21 निजी महाविद्यालय, 13 जिला होम्योपैथिक कार्यालय के साथ अन्य अनेक संस्थाएं संचालित हैं। उन्होंने कहा कि आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय को लेकर कुछ समस्याओं पर आज समीक्षा की गयी है जिसको लेकर महानिदेशक की अध्यक्षता में कमेटी का गठन कर समस्याओं का तत्काल प्रभाव से निवारण हेतु निर्देशित किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि अन्य विभागों के साथ बैठक कर जल्द ही समस्याओं का समाधान किया जायेगा। मंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों में स्थित धर्मशालाओं तथा बड़े होटलों को

आयुर्वेद से जोड़ने को लेकर अधिकारियों से योजना बनाने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि विभाग ऐसी नीति बनाये जिससे जनमानस को प्रभावित किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में आयुर्वेद को बड़े संसाधन के तौर पर स्थापित करना हमारा संकल्प है। मंत्री ने कहा कि आयुष विभाग ब्लॉक स्तर तथा न्याय पंचायत स्तर पर वैलनेस तथा योग एवं पंचकर्म जैसी सुविधाओं को जोड़ने हेतु अवधारणा लागू करने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं।

नियमों को ताक पर रखकर दौड़ रहे 10 टायर के ट्रक

उत्तरकाशी। यमुनोत्री हाईवे पर नियमों को ताक पर रखकर दौड़ रहे 10 टायर के भारी मालवाहक वाहन अब आम लोगों के लिए बड़ी समस्या बनते जा रहे हैं। वाहनों के कारण बड़कोट नगर क्षेत्र सहित पूरे मार्ग पर बार–बार जाम की स्थिति बन रही है जिससे स्थानीय लोगों और यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। व्यापार मंडल ने प्रशासन से दिन के समय भारी वाहनों के संचालन पर सख्ती से रोक लगाने की मांग की है। मंगलवार को बड़कोट नगर में भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश से जाम लग गया। ऐसे में लोग परेशान रहे। स्थानीय लोगों का कहना है कि डामटा से नौगांव और पाली गाड से जानकीचट्टी तक बड़ी संख्या में भारी वाहन नियमों के विपरीत बेखौफ संचालित हो रहे हैं। इससे यातायात व्यवस्था चरमरा रही है और यात्रा मार्ग पर जोखिम लगातार बढ़ रहा है।

पूर्व नगर पालिकाध्यक्ष का धरने का विभिन्न संगठनों ने दिया समर्थन

उत्तरकाशी। गोपेश्वर महादेव मंदिर के समीप शिक्षा विभाग की ओर से किया जा रहा भवन निर्माण के विरुद्ध में पूर्व नगर पालिकाध्यक्ष रमेश सेमवाल का धरना दूसरे दिन भी जारी रहा। उन्होंने इस संबंध में जिला के प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा को ज्ञापन प्रेषित किया। उन्होंने कहा कि गोपेश्वर महादेव का मंदिर सदियों से वहां पर स्थित है लेकिन शिक्षा विभाग मंदिर के आगे भवन निर्माण कर रहा है। इससे मंदिर का स्वरूप नहीं दिखेगा। उन्होंने जल्द ही शिक्षा विभाग से निर्माण कार्य पर रोक लगाने की मांग की। मंगलवार को बड़ी संख्या में विभिन्न संगठन से जुड़े लोग धरने पर आकर पूर्व नगर पालिकाध्यक्ष रमेश सेमवाल को अपना समर्थन दिया। साथ ही शिक्षा विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। साथ ही जनपद भ्रमण पर आए जिला प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा से मुलाकात की। कहा कि उत्तरकाशी चारधाम यात्रा का मुख्य पड़ाव है।

शादी समारोह के लिए सिलेंडर लेने पहुंचे लोग

कोटद्वार तहसील परिसर में सिलेंडर के लिए आवेदन करने उपजिलाधिकारी कार्यालय के बाहर खड़े लोग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शादी समारोह में दो सिलिंडर मिलने के आदेश के बाद शहरवासी आवेदन के लिए तहसील परिसर में पहुंच रहे हैं। मंगलवार को बड़ी संख्या में लोग तहसील परिसर में पहुंचे हुए थे। एक दिन में पचास से अधिक लोगों ने सिलेंडर के लिए आवेदन किया।

कुछ दिन बाद शादी सीजन शुरु होने वाला है। ऐसे में विवाह समारोह में सिलेंडर की परेशानी न हो इसके लिए शासन की ओर से विशेष रूप से दो सिलेंडर दिए जा रहे हैं। गाइडलाइन जारी होने के बाद मंगलवार को बड़ी संख्या में लोग प्रार्थना पत्र व विवाह का कार्ड लेकर तहसील में पहुंचे हुए थे। सुबह से ही लोग अधिकारियों का इंतजार करते हुए नजर आए। तहसील से स्वीकृति मिलने के बाद आगे की कार्रवाई के लिए खाद्य आपूर्ति विभाग को भेजा जा रहा है, जिसके बाद खाद्य आपूर्ति विभाग लोगों के आवेदनों को संबंधित गैस एजेंसी को भेज रहा हैं। अलग-अलग गैस एजेंसी के करीब पचास से अधिक लोगों ने शादी में सिलेंडर के लिए आवेदन किया है। ऐसे में गैस एजेंसी के पास सिलेंडर उपलब्ध होने पर ही इन लोगों को सिलेंडर दिया जाएगा। ऐसे में सिलेंडर मिलने में दस दिन से अधिक का समय भी लग सकता है। सबसे अधिक परेशानी उन लोगों को होगी, जिनके घरों में कुछ दिन बाद शादी समारोह है। हालांकि, ऐसे लोगों की लिस्ट तैयार कर प्रशासन उन्हें जल्द से जल्द गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाने की भी बात कह रहा है।

शहर में रेहड़ी-ठेली वालों के लिए हो स्थाई व्यवस्था

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में रेहड़ी-ठेली के लिए स्थाई व्यवस्था बनाने के लिए स्व. सरोजनी देवी लोक विकास समिति ने नगर निगम को ज्ञापन दिया। कहा कि व्यवस्था में सुधार के लिए नगर निगम को गंभीरता से कार्य करना चाहिए।

समस्याओं को लेकर समिति ने नगर आयुक्त पीएल शाहर को ज्ञापन दिया। समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि शहर में लगातार रेहड़ी-ठेली की तादात बढ़ती जा रही है। जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। सबसे बुरी स्थति गोखले मार्ग पर बनी हुई है। जबकि इस स्थापन पर नगर निगम प्रशासन की तरफ से अतिक्रमण करने वाले लोगों के लिए बकायदा जुर्माने का चेतावनी बोर्ड भी लगाया हुआ है, लेकिन फल, सब्जी विक्रेता चेतावनी बोर्ड की अनदेखी कर रहे है, वहीं दूसरी ओर नगर निगम प्रशासन भी फड लगाने वाले दुकानदारों से तह बाजारी भी वसूली कर अतिक्रमण की मौन स्वीकृति दी जा रही है। जिस कारण आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कहा कि फल, सब्जी विक्रेताओं के लिए अलग से स्थान नियत होना चाहिए।

अवदेश चमोली बनें लायंस क्लब डिग्निटी पीएसटी के अध्यक्ष

आयोजित बैठक में मौजूद नव नियुक्त पदाधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लायंस क्लब डिग्निटी पीएसटी की पुरानी कार्यकारणी को भंग कर नवीन कार्यकारणी का गठन किया गया। इस दौरान अवदेश चमोली को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई।

आयोजित बैठक में क्लब की मजबूती का संकल्प लिया गया। वक्ताओं ने कहा कि क्लब लगातार सामाजिक कार्यों में अपना योगदान दे रहा है। इस दौरान क्लब की नई कार्यकारिणी का निर्विरोध निर्वाचन संपन्न हुआ। बैठक में सर्वसम्मति से पीएसटी में अवदेश चमोली को अध्यक्ष, रोबिन सिंह को सचिव, हुकम सिंह नेगी को कोषाध्यक्ष व अरविंद बंसल को उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष प्रशांत रस्तोगी, सचिव आशीष अग्रवाल, कोषाध्यक्ष हितेश गोयल, राजेश फुल, रोहित बत्रा, अमित जैन, एसके खट्टर, राज विज, सारांश बंसल एवं बृजेश सिंगल उपस्थित रहे। क्लब के वर्तमान अध्यक्ष प्रशांत रस्तोगी ने सभी नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। उन्होंने कहा कि ह्लकर्म ही पूजा है के सिद्धांत को अपनाते हुए क्लब समाज सेवा के क्षेत्र में नई ऊंचाईयों को प्राप्त करेगा। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने मिलकर क्लब की प्रगति और सामाजिक कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने का संकल्प लिया।

छात्रों को प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना की दी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तृतीय चरण में पंजीकरण एवं प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु भक्त दर्शन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जयहरीखाल में स्किल डेवलपमेंट एवं कैरियर काउंसलिंग सेल द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विद्यार्थियों को योजना के उद्देश्य, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और इससे मिलने वाले लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यशाला में नोडल अधिकारी डॉ. दुर्गा रजक ने भारत सरकार की इस योजना के बारें में छात्र-छात्राओं को विस्तार से जानकारी दी। बताया कि 18 से 25 वर्ष आयु के विद्यार्थी पीएमआईएस की वेबसाइट के माध्यम से प्रतिष्ठित कंपनियों में इंटर्नशिप के लिए पंजीकरण तथा प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु तृतीय चरण 20 मार्च 2026 से शुरू हो चुका है। इंटर्नशिप हेतु तय मानक तथा योग्यता के अनुसार विद्यार्थी इस योजना का लाभ उठा सकते है। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. एल.आर. राजवंशी ने बताया कि युवाओं हेतु भारत सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना में प्रत्येक अभ्यर्थी को 6-9 माह तक प्रतिष्ठित कंपनियों में इंटर्नशिप के दौरान 9000 रुपये प्रतिमाह की दर से पारिश्रमिक प्रदान किया जाना है, जिससे वे अपने कैरियर को नया आयाम दे सकते हैं। इस मौके पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. उमेश ध्यानी, कैरियर सेल प्रभारी प्रो. एस.पी. मधवाल, स्किल प्रभारी डॉ. कमल कुमार आदि मौजूद थे।

हाईवे का निरीक्षण कर यातायात व्यवस्था का लिया जायजा

नई टिहरी। चारधाम यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारू और सुरक्षित बनाए रखने के लिए एसएसपी श्वेता चौबे ने ऋषिकेश—गंगोत्री हाईवे का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बीआरओ और लोनिवि के अधिकारियों के साथ भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र बगड़धार, दुआधार और ताछला का निरीक्षण किया। एसएसपी ने पार्किंग व्यवस्था को लेकर भद्रकाली, तपोवन और मुनिकीरेती क्षेत्रों में व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बगड़धार, दुआधार और ताछला में भूस्खलन प्रभावित स्थलों पर मरम्मत कार्य को प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द पूरा करने को कहा। सुरक्षित और सुचारू यातायात के लिए पुलिस और पीआरडी तथा होमगार्ड की जवानों की अतिरिक्त तैनाती की जाएगी। संवेदनशील स्थलों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी रखने के भी निर्देश दिए। भूस्खलन के कारण बंद होने वाले मार्गों को शीघ्र खोलने के लिए भारी मशीनें तैयार रखी जाएं।

पर्वतीय ठेकेदार संघ ने दिया डिप्लोमा इंजीनियरों को समर्थन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर डटे डिप्लोमा इंजीनियरों को पर्वतीय ठेकेदार संघ ने अपना समर्थन दिया है। कहा कि सरकार को मांगों के निराकरण के लिए गंभीरता से कार्य करना चाहिए।

मालूम हो कि वेतन बढ़ोत्तरी, पुरानी पेंशन बहाली सहित 27 मांगों को लेकर डिप्लोमा इंजीनियर पिछले कई दिनों से हड़ताल पर डटे हुए हैं। इंजीनियर लगातार शासन से अपनी समस्याओं के निराकरण की मांग उठा रहे हैं। मंगलवार को भी जिलाध्यक्ष कौशिद अली के नेतृत्व में डिप्लोमा इंजीनियर ने सिंचाई विभाग निरीक्षण भवन के परिसर में धरना दिया। इस दौरान पर्वतीय ठेकेदार संघ के अध्यक्ष देवेंद्र पाल सिंह के नेतृत्व में ठेकेदारों ने इंजीनियर को अपना समर्थन दिया।

इंजीनियर को समर्थन देते पर्वतीय ठेकेदार संघ के सदस्य

कहा कि वर्तमान में डिप्लोमा इंजीनियरों की हड़ताल के चलते विकास कार्य बाधित है, जो निर्माण हो चुके है, उनका भुगतान भी नहीं हो रहा है। उन्होंने डिप्लोमा इंजीनियरों की मांगों को जायज ठहराया। कहा कि शासन-प्रशासन को डिप्लोमा इंजीनियरों की जायज मांगों को मान देना चाहिए। डिप्लोमा इंजीनियरों ने कहा कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्यवाही नहीं हो जाती तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। इस मौके पर संगठन के उपाध्यक्ष किशोर लखेड़ा, दलीप बेबनी, कपिल कुमार, चंद्रमोहन नेगी, दिनेश रावत, गौरव रावत, राजेंद्र असवाल, जयप्रकाश रावत, अनिल नेगी सहित विभिन्न विभागों के डिप्लोमा इंजीनियर मौजूद रहे।

साइंस क्विज में आस्था, पोस्टर में सृष्टि ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार के भौतिक विज्ञान विभाग के विभागीय परिषद के तत्वावधान में मंगलवार को साइंस क्विज और पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। साइंस क्विज प्रतियोगिता में आस्था केष्टवाल, पोस्ट प्रतियोगिता में सृष्टि पांडे ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता का शीर्षक पर्यावरण सुरक्षा विषय पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में बीएससी पीसीएम एवं एमएससी फिजिक्स के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। साइंस क्विज प्रतियोगिता में आस्था केष्टवाल, शिखा, विवेक कुमार ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। सांत्वना पुरस्कार सृष्टि पांडे व सुहानी बिष्ट ने प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में सृष्टि पांडे, ज्योत्सना डबराल व आस्था केष्टवाल क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रही। श्रुति रावत ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। प्रतियोगिता में डॉ. श्रुति अग्रवाल, डॉ. जितेंद्र दिवाकर, डॉ. सूर्य मोहन, डॉ. मुकेश रावत, डॉ. मुकेश बडोनी ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इस मौके पर विभाग प्रभारी डॉ. सुरभि मिश्रा, रोशन सिंह, पृथ्वी पाल सिंह, दिनेश गुसाईं, उमेश बमोला आदि उपस्थित रहे।

कोटद्वार की टीम ने जीती वालीबॉल की ट्रॉफी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रखंड एकेश्वर के अंतर्गत स्व. सूबेदार मेजर यशवंत सिंह असवाल स्मृति वालीबाल प्रतियोगिता में कोटद्वार की टीम ने ट्राफी पर कब्जा जमाया। सिमारखाल के सुन्ना खेल मैदान में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ ब्लाक प्रमुख पंकज बिष्ट ने खिलाड़ियों के परिचय कर किया। प्रतियोगिता में आठ टीमों ने प्रतिभाग किया। फाइनल मुकाबला कोटद्वार व घुडदौड़ी के मध्य खेला गया, जिसमें पांच सेटों में बेस्ट आफ थ्री के आधार पर कोटद्वार की टीम को विजेता घोषित किया गया। घुडदौड़ी की टीम उपविजेता रही। वालीबाल प्रतियोगिता के विजेता व उपविजेता टीम को अतिथियों की तरफ से ट्राफी भेंट की गई। इस मौके पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष आरती नेगी, विहिप जिलाध्यक्ष राकेश गौड, जिला सहकारी बैंक के पूर्व डायरेक्टर नरेंद्र सिंह नेगी, कविंद्र इष्टवाल, पुष्पेंद्र राणा, रमेश रावत, परमानंद चतुर्वेदी, कन्हैयालाल, किशोरी लाल शाह, गौरव असवाल, सुनील रावत मौजूद रहे।

प्रवेशोत्सव में दिखी सांस्कृतिक छटा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय इंटर कालेज कोटद्वार में प्रवेशोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। बच्चों की रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। इस दौरान बच्चों को अधिक-अधिक अभिभावकों को अपने पाल्यों का प्रवेश सरकारी विद्यालय में करवाने की लिए प्रेरित किया गया। कहा कि जन-जन तक यह जानकारी पहुंचे यह जिम्मेदारी हम सभी की है।

आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना से किया गया। इसके उपरांत नव प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों को पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि सरकारी विद्यालयों में पढ़े बच्चे आज देश विदेशों में नाम रोशन कर रहे हैं। आज सरकारी विद्यालय भी हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। हमें अपने बच्चों को सरकारी विद्यालय में पढ़ाना चाहिए। इसके बाद विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। गढ़वाली व कुमाऊंनी गीतों पर दी गई प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस मौके पर प्रधानाचार्य नागेंद्र सिंह चौहान, पीटीए अध्यक्ष कृष्ण दर्शन भदोला, एसएमसी अध्यक्ष रेखा भट्ट, डा. पदमेश बुडाकोटी, मनमोहन सिंह चौहान, विनोद पंत, सीतांशु खुगशाल, मनमोहन सिंह रौतेला, संतोष नेगी, पूरण चंद्र धूलिया, अनूप नेगी, भगवान सिंह नेगी, देवेंद्र रावत, सुनीता शाह, अंजना, संतोषी, पूजा बिष्ट, सुधीर डंगवाल, कृपाली रावत, निर्मला आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार के राजकीय इंटर कालेज में आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देती छात्राएं

आक्रोशित लोगों ने रेलवे का काम रोका

श्रीनगर गढ़वाल : पिछले वर्ष सितंबर माह में श्रीकोट व श्रीनगर के बीच रेलवे सुरंग के पास टीचर्स कॉलोनी के आवासीय भवनों को भू-धंसाव से हुए नुकसान का मुआवजा न मिलने पर प्रभावित परिवारों और व्यापारियों का गुस्सा फूट पड़ा। नाराज लोगों ने मंगलवार सुबह श्रीकोट व श्रीनगर जीआईटीआई मैदान में चल रहे रेलवे निर्माण कार्य बंद करा दिया और कार्यालयों में तालाबंदी कर दी। उन्होंने कहा कि जब तक प्रभावितों को मुआवजा नहीं मिलता तब तक काम शुरू नहीं होने दिया जाएगा।

मंगलवार सुबह आठ बजे जिला व्यापार सभा अध्यक्ष वासुदेव कंडारी, नीरज नैथानी समेत प्रभावित परिवार और व्यापार सभा श्रीनगर, श्रीकोट, डांग व बिलकेदार के पदाधिकारी श्रीकोट के समीप रेलवे सुरंग के पास पहुंचे। जैसे ही मजदूर काम करने के लिए अंदर प्रवेश करने लगे तो प्रभावितों ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद आक्रोशित लोग जीआईटीआई मैदान स्थित रेलवे लाइन निर्माण कार्य स्थल पर पहुंचे और यहां कार्यालयों में तालाबंदी कर दी। उन्होंने आरोप लगाया कि रेलवे सुरंग निर्माण में उपयोग किए गए विस्फोटकों के कारण उनके घरों और आसपास के भवनों में दरारें आईं और कई संपत्तियों को नुकसान पहुंचा, लेकिन अब तक उन्हें कोई मुआवजा नहीं दिया गया है।

बार एसोसिएशन चुनाव में अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद पर टक्कर

नई टिहरी। जिला बार एसोसिएशन के टिहरी के वार्षिक चुनाव के लिए मंगलवार को विभिन्न पदों पर नामांकन पत्र दाखिल किए गए। अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद को छोड़कर अधिकांश पदों पर एक—एक प्रत्याशी के नामांकन होने से इन पदों पर निर्विरोध निर्वाचन की संभावना जताई जा रही है।

पुस्तकालय अध्यक्ष पद पर एक भी प्रत्याशी ने नामांकन नहीं कराया। चुनाव अधिकारी आनंद प्रकाश सेमल्टी और सहायक चुनाव अधिकारी अरविंद सिंह खरोला ने बताया कि अध्यक्ष पद पर अनिल शर्मा और जयबीर सिंह रावत ने नामांकन किया है जबकि उपाध्यक्ष पद पर दिनेश चंद्र उनियाल और सावन सिंह कैंतुरा ने पर्चे दाखिल किए। उक्त दोनों पदों पर चुनाव होना तय माना जा रहा है।

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान असिसटेन्ट कलेक्टर महोदय कोटद्वार
रा0वा0सं0 /2026

बलदेव सिंह, डबल सिंह - वादी

बनाम

ललित मोहन, कीर्तिधर, भूपेन्द्र पुत्रगण मायादत्त आदि - प्रतिवादीगण

निवासी काशीरामपुर तल्ला, कोटद्वार

समन ललित मोहन, कीर्तिधर, भूपेन्द्र पुत्रगण मायादत्त आदि

हरगाह वादी ने एक वाद 229 बी0 जमीदारी भूमि विनाश एवं भूमि व्यवस्था के अन्तर्गत मेरे न्यायालय में दाखिल किया जिसमें आपको प्रतिवादी बनाया गया है, जो कि वाद बलदेव, डबल सिंह बनाम ललित मोहन आदि के नाम से है।

अतः आपको नोटिस द्वारा सूचित किया जाता है आप दिनांक 8-4-2026 को मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर जवाबदेही करें अन्यथा आपके खिलाफ एकपक्षीय कार्यवाही कर दी जायेगी।

दिनांक- 7.4.2026

आज्ञा से
असिसटेंट कलेक्टर कोटद्वार
(0491/11)

कृषि भूमि पर मलबा डंप करने का मामला, एसडीएम को भेजा ज्ञापन

श्रीनगर गढ़वाल : विकास खंड कीर्तिनगर के घिल्डियाल गांव में रेलवे परियोजना की ओर से बिना अनुमति कृषि भूमि पर मलबा डंप करने का मामला सामने आया है। इससे नाराज घिल्डियाल गांव निवासी संदीप रावत ने एसडीएम को ज्ञापन भेजा।

कहा कि रेलवे की कार्यदायी संस्था आरवीएनएल (रेल विकास निगम लिमिटेड) ने उनकी कृषि भूमि पर बिना सहमति के पत्थर और मलबा डालकर खेतों को नुकसान पहुंचाया है। स्थानीय प्रशासन से शिकायत की गई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है। कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ बल्कि राजस्व उपनिरीक्षक ने उनकी भूमि पर उनके दावे को ही खारिज कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि राजस्व उपनिरीक्षक और आरवीएनएल की मिलीभगत से उनकी जमीन को नुकसान पहुंचाया गया है। खेतों के मलबे में दबने के बाद उनके पिता सदमे में हैं। उन्होंने मामले में मानवाधिकार न्यायालय में भी शिकायत दर्ज कराई है। कीर्तिनगर एसडीएम मंजू राजपूत ने कहा कि जहां पर डंपिंग जोन बनाया गया है वह संयुक्त खाते की जमीन है।

मंदाकिनी नदी पर अस्थायी पुलिया तैयार

रुद्रप्रयाग। पाली, रयांसू गांवों को चंद्रापुरी से जोड़ने वाली अस्थायी पुलिया मंदाकिनी नदी के तेज बहाव के कारण बीते माह बह गई थी। अब यहां अस्थायी पुलिया बना दी गई है और लोगों की आवाजाही शुरू हो गई है। प्रधान संगठन के अध्यक्ष मनोज वैष्णव ने बताया कि रिन्यू पावर के प्रोजेक्ट मैनेजर अक्षय भारद्वाज से कंपनी के सोशल वेलफेयर फंड से पुलिया निर्माण की मांग की थी। अब अस्थायी पुलिया का पुनर्निर्माण करा दिया गया। पुलिया बनने के बाद दोनों गांवों के बीच आवाजाही फिर से सुचारु हो गई है। इससे स्थानीय लोगों की बाजार व जरूरी सेवाओं तक पहुंच आसान हो गई है।

मजबूत आर्थिकी के लिए सहकारिता को अपनाने पर दिया जोर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सहकार भारती के तत्वावधान में आयोजित गोष्ठी में ब्लाक व पंचायत स्तर पर सहकारिता को मजबूत कर ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिकी को मजबूत करने के लिए सहकारिता को अपनाने पर जोर दिया गया। कहा कि सहकारिता और सहभागिता से ग्रामीण उद्यमों और कृषि आधारित कार्यों को प्रोत्साहन देना है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन को रोककर रिवर्स पलायन पर काम हो सके।कार्यक्रम का शुभारंभ सहकार भारती के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य व मध्य प्रदेश के प्रदेश महामंत्री राकेश चौहान और सहकार भारती के प्रदेश संगठन प्रमुख राजेश वर्मा ने किया। राकेश चौहान ने कहा कि सहकारिता को अपना कर ग्रामीण क्षेत्र की आर्थिकी को मजबूत किया जा सकता है। इसके लिए संगठन को ब्लाक व क्षेत्रीय स्तर पर मजबूती प्रदान करने की जरूरत है। संगठन के माध्यम से प्रत्येक ब्लाक व क्षेत्र पंचायत स्तर पर सहकारी समूहों का गठन करने में सहयोग करना है। संगठन का कार्य सहकारिता के लिए क्षेत्र व प्रदेश में जनजागरूकता बढ़ाने, सहकारिता व सहभागिता से उद्यमों व कृषि आधारित कार्यों को प्रोत्साहन देना है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र से हो रहे पलायन को रोककर रिवर्स पलायन को बढ़ावा दिया जा सके। वक्ताओं ने कहा कि संगठन की कोशिश रहती है कि ग्रामीण सहभागिता से स्थानीय व परंपरागत कृषि उद्योग को बढ़ावा देते हुए क्षेत्र और प्रदेश के आर्थिक विकास को मजबूती देना है। राकेश चौहान ने राष्ट्रीय सहकारिता नीति 2025 और सहकारिता के विभिन्न क्षेत्रों और विषयों पर चर्चा की। कहा कि सहकार भारती संगठन अपने स्थापना वर्ष 1978-79 से ही सहकारिता आंदोलन को बढ़ावा देने में हमेशा अग्रणी रहा है। उन्होंने बहुउद्देशीय सहकारी समितियों, क्रेडिट सोसाइटी, किसान उत्पादक संघ (एफपीओ) सहित विभिन्न प्रकोष्ठों की जानकारी दी। साथ ही स्वयं सहायता ग्रुपों (एसएचजी) और व्यक्तिगत उद्यमियों को इनसे जुड़कर उनके उत्पादों को और अधिक क्षेत्रों और समितियों तक विपणन आदि में विस्तारित और शामिल करने की बात की गई। इस मौके पर दीपा देवी, पूनम खंतवाल, मनोज द्विवेदी, नेत्रपाल सिंह, दिनेश जुयाल, चंद्रप्रकाश असवाल, शर्मिला नेगी, गोपाल गुसांई, अशोक सुंद्रियाल मौजूद रहे।

च्वरा गांव में भालू ने महिला पर किया हमला, रेफर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पर्वतीय क्षेत्रों में जंगली जानवरों का आतंक थमने का नाम का नाम नहीं ले रहा। आए दिन जानवर लोगों पर हमला कर रहे हैं। ताजा मामला द्वारीखाल विकासखंड के अंतर्गत च्वरा गांव का है। जहां मंगलवार को चारा पत्ती लेने गई एक महिला पर भालू ने हमला कर दिया। महिला की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया।

मंगलवार को भूंद्री देवी अपनी बेटी के साथ जंगल में चारा पत्ती लेने गई थी। गांव लौटते समय रास्ते में झांड़ियों से निकले भालू ने उन पर हमला कर दिया। चीख पुकार सुनकर आसपास खेतों में मौजूद लोग मौके पर पहुंचे और भालू को भगाया। ग्रामीणों ने गंभीर रूप से घायल भूंद्री देवी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चैलूसैंण पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें एम्स रेफर किया गया। ग्रामीण गौरव सुयाल, राजेश सिंह, कृपाल सिंह, मनोज सिंह, दिनेश सिंह ने बताया कि सात फरवरी को भी भालू ने गांव की एक महिला पर हमला किया था। आए दिन भालू गांव के आसपास घूमता हुआ नजर आ रहा है। ग्रामीणों ने वन विभाग से भालू के आतंक से निजात दिलवाने की मांग की है।

द्वारीखाल के च्वरा गांव में भालू के हमले में घायल महिला

गांव से लेकर जंगल तक की खोज, नहीं मिला मासूम

रुद्रप्रयाग। जनपद के दूरस्थ गांव बाड़ब में इन दिनों चिंता का माहौल है। गांव का चार साल का मासूम मयंक चार दिनों से लापता है और मंगलवार को भी उसका कहीं पता नहीं चल पाया। बीते शनिवार को मयंक अपनी मां के पीछे—पीछे जंगल की ओर निकला था और कुछ ही पलों में वह नजरों से ओझल हो गया। ग्रामीणों ने खेतों, पगडंडियों और जंगल के कोने—कोने को छान मारा मगर अभी तक मासूम का पता नहीं चला है। मां मनीषा देवी और पिता जयलाल का रो—रोकर बुरा हाल है।

उत्तर रेलवे

अंशकालिक विशुद्ध रूप से मानदेय के आधार पर अध्यापकों के लिए साक्षात्कार

मुरादाबाद मंडल में रेलवे हायर सेकण्ड्री स्कूल, बरेली, निकट बरेली जंक्शन में TGT-02 एवं PRT-01 पदों पर अंशकालिक विशुद्ध रूप से मानदेय के आधार (TGT-10000/- Monthly, PRT-9500/- Monthly) पर अध्यापकों की नियुक्ति हेतु साक्षात्कार दिनांक 28.04.2026 को प्रातः11.00 बजे बरेली में आयोजित किया जाना है। पदों का विवरण–

S. N.	Name of Post	Essential Qualification	Number of post	Monthly Honorarium
1.	TGT (Hindi)	B.A. (Hindi Litt.) & Sanskrit atleast upto 10+2 & B.Ed. Desirable-Knowledge in Computer application	01	Rs.10000/-
2.	TGT (English)	B.A. (English Litt.) & B.Ed. Desirable-Knowledge in Computer application	01	Rs.10000/-
3.	PRT	Graduate & B.Ed./B.T.C./ D.Ed./JBT/PTC Desirable-Knowledge in Computer application	01	Rs.9500/-

संबंधित जानकारी रेलवे की वेबसाइट www.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है। संबंधित जानकारी मो. नं. 8006602932 पर भी प्राप्त कर सकते हैं।

1143/26 मंडल रेल प्रबंधक, उ.रे. मुरादाबाद

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दैनिक जयन्त-विचार

संपादकीय

ट्रंप के बिगड़े बोल

अमेरिका के इतिहास में शायद ही कोई डोनाल्ड ट्रंप जैसा अधीर, अपरिपक्व बयानवीर और व्यापारी सोच का राष्ट्रपति हुआ हो। संयम व गरिमा शब्द उनके शब्दकोश में ही नहीं हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में अमेरिका-इस्राइल युद्ध के चरम के बीच उन्होंने जिन अपशब्दों का प्रयोग ईरान के लिये किया, वो उनकी हताशा को ही दशार्ता है। उनके बयानों की पूरी दुनिया के साथ अमेरिका के भीतर भी कड़ी आलोचना हुई है। आज अमेरिका के नागरिक भी सोचते होंगे कि दुनिया के सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र में राष्ट्रपति को इतने निरंकुश अधिकार देना क्या प्रजातंत्र के हित में है? निश्चित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर, अपशब्दों और धार्मिक संदर्भों के साथ तेहरान को दी गई चेतावनी, ट्रंप के आवेगपूर्ण उकसावे के अतिरिक्त और कुछ भी नहीं है। एक महाशक्ति के मुखिया द्वारा ऐसी सतही भाषा का प्रयोग न केवल अशोभनीय है बल्कि घातक परिणामों की ओर ले जाने वाला भी है। जाहिरा तौर उनकी धमकियां ईरान को बातचीत की मेज पर लाने के बजाय, उसे और आक्रामक तरीके से जवाबी कार्रवाई करने को उकसाएंगी। दरअसल,अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यह जताने की असफल कोशिश कर रहे हैं कि मौजूदा युद्ध मध्ययुगीन धर्मयुद्ध का विस्तार है। जिसमें सदियों तक ईसाई और मुसलमान आपस में वर्चस्व के लिये युद्ध करते रहे हैं। उन्होंने राजनीति में धार्मिक भावनाओं का भरपूर इस्तेमाल करते हुए ईरान में मार गिराए गए अमेरिकी फाइटर जहाज के पायलट के बचाव को ह्यईस्टर का चमत्कारह्ण बताने से भी गुरेज नहीं किया। जाहिरा तौर पर पुनरुत्थान और आशा का प्रतीक माने जाने वाले ईसाई धर्मावलंबियों के एक पवित्र दिन का हवाला देना, सैन्य अभियान को नैतिक और दैवीय रंग देने का ही एक असफल प्रयास है। निश्चित तौर पर इस तरह की सतही बयानबाजी एक जटिल भू-राजनीतिक संघर्ष को धार्मिकता की एक सरल कहानी में बदलने का जोखिम पैदा करती है। जो ट्रंप की सैन्य अभियान की तार्किकता सिद्ध करने की विफलता को भी दशार्ती है। यही वजह है कि अमेरिकी सांसदों ने यह पता लगाने के लिये जांच की मांग की है कि क्या धार्मिक मान्यताओं का प्रयोग सैन्य कार्रवाई को सही ठहराने के लिये किया जा सकता है? निश्चित रूप से उन सांसदों की चेतावनी एक मूलभूत लोकतांत्रिक सिद्धांत पर आधारित है, वो है चर्च और राज्य का पृथक्करण का सिद्धांत। उनका तर्क है कि सैन्य निर्णय कानून,रणनीति और जवाबदेही द्वारा निर्देशित होने चाहिए, न कि ईश्वर या बाईबल की भविष्यवाणियों का हवाला देकर। निश्चित रूप से ट्रंप की इन आक्रामक ब्यानबाजियों और कारगुजारियों की कीमत आने वाले वर्षों में अमेरिकियों को चुकानी पड़ सकती है।

चिंतन-मनन

सच्चे ज्ञानी की विशेषता

व्यक्ति सत्संगति से तीन वस्तुओं को-शरीर, शरीर का स्वामी या आत्मा तथा आत्मा के मित्र को- एक साथ संयुक्त देखता है, वही सच्चा ज्ञानी है। जब तक आध्यात्मिक विषयों के वास्तविक ज्ञाता को संगति नहीं होती, वे अज्ञानी हैं, वे केवल शरीर को देखते हैं, और जब यह शरीर विनष्ट हो जाता है, तो समझते हैं कि सब कुछ नष्ट हो गया। लेकिन वास्तविकता यह नहीं है। शरीर के विनष्ट होने पर आत्मा तथा परमात्मा का अस्तित्व बना रहता है, और वे अनेक विविध चर तथा अचर रूपों में सदैव जाते रहते हैं। कभी-कभी संस्कृत शब्द परमेर का अनुवाद जीवात्मा के रूप में किया जाता है, क्योंकि आत्मा ही शरीर का स्वामी है और शरीर के विनाश होने पर वह अन्यत्र देहांतरण कर जाता है। इस तरह वह स्वामी है। लेकिन कुछ लोग इस परमेश्वर का अर्थ परमात्मा लेते हैं। प्रत्येक दशा में परमात्मा तथा आत्मा दोनों रह जाते हैं। वे विनष्ट नहीं होते। जो इस प्रकार देख सकता है, वही वास्तव में देख सकता है कि क्या घटित हो रहा है।

जीव, अपना भौतिक अस्तित्व स्वीकार करने के कारण अपने आध्यात्मिक अस्तित्व से पृथक स्थित हो गया है। किंतु यदि वह यह समझता है कि परमेश्वर अपने परमात्मा स्वरूप में सर्वत्र स्थित हैं, अर्थात यदि वह भगवान की उपस्थिति प्रत्येक वस्तु में देखता है, तो वह विघटनकारी मानसिकता से अपने आपको नीचे नहीं गिराता, और इसीलिए वह प्रमशः वैकुण्ठ-लोक की ओर बढ़ता जाता है। सामान्यतया मन इंद्रियतृप्तिकारी कार्यों में लीन रहता है, लेकिन जब वही परमात्मा की ओर उन्मुख होता है, तो मनुष्य आध्यात्मिक ज्ञान में आगे बढ़ जाता है। यह शरीर परमात्मा के निदेर्शानुसार प्रकृति द्वारा बनाया गया है और मनुष्य के शरीर के जितने भी कार्य संपन्न होते हैं, वे उसके द्वारा नहीं किए जाते। मनुष्य जो भी करता है, चाहे सुख के लिए करे या दुख के लिए, वह शारीरिक रचना के कारण उसे करने के लिए बाध्य होता है।

नई उम्मीद वाली आप पार्टी अपनों के हाशिये पर क्यों ?

सौरभ वार्ष्णेय

आम आदमी पार्टी ने भारतीय राजनीति में एक नई उम्मीद जगाई थी। भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से उपजी पार्टी पारदर्शिता, ईमानदारी और जनभागीदारी के वादों के साथ आजादी वाले तेवर के साथ नायक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आप ने दिल्ली में शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली-पानी जैसे मुख्य मुद्दों पर उल्लेखनीय काम कर लोगों का विश्वास जीता। लेकिन समय के साथ कई ऐसे कारण सामने आए हैं, जिनसे जनता के एक वर्ग में आप पार्टी मोहभंग की स्थिति बनी है। शुरूआत में आपइ ने नई राजनीतिइ का दावा किया था, लेकिन समय के साथ वही परंपरागत राजनीतिक रणनीतियां अपनाने के आरोप लगे। दल-बदल, राजनीतिक समझौते और सत्ता बनाए रखने की प्राथमिकता ने इसके मूल आदर्शों पर सवाल खड़े किए। जिस पार्टी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई से शुरूआत की, उसी पर अब विभिन्न घोटालों के आरोप लगे हैं। खासकर दिल्ली की शराब नीति को लेकर उठे विवाद ने पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाया। इससे जनता के बीच भरोसे में कमी आई है। समय-समय पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का बाहर होना या निष्कासन, जैसे कि योगेंद्र यादव और प्रशांत भूषण का अलग होना, संगठन के भीतर असहमति और केंद्रीकरण की ओर इशारा करता है। धीरे -धीरे यह नई उम्मीद वाली पार्टी अपनों के हाशिये पर क्यों हैं यह चिंतन का विषय है।

दिल्ली की राजनीति में आम आदमी पार्टी और उसके युवा चेहरे राज्यसभा राघव चड्ढा के बीच उभरे विवाद ने फिर एक बार पुरानी बोतल में नई शराब वाली स्थिति व इसको लेकर आम आदमी पार्टी पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। यह मामला केवल एक व्यक्ति और पार्टी के बीच मतभेद का नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों में अनुशासन, पारदर्शिता और नेतृत्व शैली की भी परीक्षा है। इसका जीता जागता उदाहरण पहले भी सामने आए हैं जिनमें प्रसिद्व कवि कुमार विश्वास सहित अन्य चेहरे अलग हो गए। कुमार आप पार्टी के वह नेता थे जो अरविंद केजरीवाल के साथ उस दौर से थे जब उन्होंने अपनी नौकरी सहित सब कुछ दांव पर लगाकर साथ दिया था। उनके बाद आम आदमी पार्टी में कई दौर ऐसे आ चुके हैं जिनमें अन्य कद्दावर नेतागण योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण, शाजिया इल्मी, आशुतोष, कपिल मिश्रा, अलका लांबा, कैलाश गहलोत, मयंक गांधी, अंजलि दमानिया, सुभाष वारे, आनंद कुमार सहित अन्य नाम भी साथ छोड़ चुके हैं व स्वाति मालीवाल आम आमदी पार्टी को छोड़ चुके हैं। अब एक नाम और शामिल हो रहा है वह हैं राघव चड्ढा, जो कि प्रमुख युवा नेताओं में गिने जाते हैं, कम समय में राष्ट्रीय राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई है। लेकिन हाल के घटनाक्रमों ने उनके और पार्टी नेतृत्व के बीच खिंचाव की स्थिति को उजागर मनभेद को उजागर किया है। आरोप-प्रत्यारोप, निर्णय प्रक्रिया में मतभेद और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा—ये सभी तत्व इस विवाद को जटिल बनाते हैं।

राजनीतिक दल किसी एक व्यक्ति से बड़े होते हैं। आप ने हमेशा सामूहिक नेतृत्व और पारदर्शिता की बात की है। ऐसे में यदि पार्टी का कोई वरिष्ठ नेता सार्वजनिक रूप से अलग रुख अपनाता है, तो यह संगठनात्मक अनुशासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है। दूसरी ओर, लोकतंत्र में व्यक्तिगत विचारों की अभिव्यक्ति भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।आप ने खुद को एक वैकल्पिक और स्वच्छ राजनीति के प्रतीक के रूप में स्थापित किया था। इस तरह के विवाद पार्टी की उस छवि को धक्का पहुंचा सकते हैं। विपक्ष के लिए यह एक अवसर बन जाता है कि वह पार्टी की आंतरिक एकता और विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। यह विवाद आप नेतृत्व के सामने एक बड़ी चुनौती भी है—कैसे वे असहमति को संभालते हैं। क्या पार्टी संवाद के जरिए समाधान निकालती है या अनुशासनात्मक कार्रवाई का रास्ता अपनाती है, इससे भविष्य की राजनीति तय होगी। आम आदमी पार्टी और राघव चड्ढा के बीच का यह टकराव भारतीय राजनीति के उस व्यापक सच को सामने लाता है, जहां व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और संगठनात्मक अनुशासन के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता। यदि इसे समझदारी और संवाद से सुलझाया गया, तो यह पार्टी को और मजबूत बना सकता है; लेकिन अगर विवाद बढ़ता है, तो इसका असर न केवल पार्टी बल्कि उसकी विश्वसनीयता पर भी पड़ेगा।

आप पर यह आरोप भी लगता रहा है कि पार्टी में निर्णय लेने की शक्ति कुछ लोगों तक सीमित होती जा रही है। इससे सामूहिक नेतृत्वइ की अवधारणा कमजोर पड़ी है।हालांकि दिल्ली में कुछ क्षेत्रों में प्रगति हुई है, लेकिन अन्य राज्यों में विस्तार के दौरान आप को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। पंजाब में सत्ता मिलने के बावजूद चुनौतियां बरकरार हैं, जिससे पार्टी की राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं पर असर पड़ा है। आम आदमी पार्टी का उदय भारतीय लोकतंत्र में एक सकारात्मक प्रयोग था, जिसने राजनीति में नई सोच और उम्मीद पैदा की। लेकिन यदि पार्टी को जनता का विश्वास बनाए रखना है, तो उसे अपने मूल सिद्धांतों पर लौटना होगा, पारदर्शिता बढ़ानी होगी और आंतरिक लोकतंत्र को मजबूत करना होगा। अन्यथा, आम आदमीइ की उम्मीदों पर खरा उतरने का दावा धीरे-धीरे कमजोर पड़ता जाएगा।

अगर हम आम आदमी पार्टी राज्यसभा सांसदों पर नजर डाले तो अप्रैल 2026 तक, आम आदमी पार्टी के पास राज्यसभा में 10 सांसद हैं, जो मुख्य रूप से पंजाब और दिल्ली से हैं। हाल ही में हुए बदलावों में, अशोक मित्तल को राघव चड्ढा की जगह राज्यसभा में पार्टी का नया उपनेता नियुक्त किया गया है। अब ऐसे में अगर अरविंद केजरीवाल के पुराने साथियों की बात करें तो अब कुछ ही साथी शेष बचे हैं। ऐसे में क्या पार्टी इस अंतकलह को बचायेगी ? क्या राघव चढ्डा से सुलह हो जायेगा ? आदि ऐसे विषय हैं जिनका हल सिर्फ सिर्फ अरविंद केजरीवाल के पास है।

लेखक जाने माने पत्रकार है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

कोरियन ड्रामा से भारतीय सीरियल तक : मनोरंजन की दिशा पर पुनर्विचार

ललित गर्ग

विश्व के मनोरंजन जगत में पिछले कुछ वर्षों में यदि किसी देश ने टेलीविजन और वेब सीरीज के माध्यम से पूरी दुनिया को सबसे अधिक प्रभावित किया है तो वह दक्षिण कोरिया है। कोरियन ड्रामा आज केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक प्रभाव, सामाजिक शिक्षा, भावनात्मक परिपक्वता और जीवन मूल्यों के प्रस्तुतीकरण का सशक्त माध्यम बन चुके हैं। भारत सहित दुनिया के करोड़ों लोग कोरियन ड्रामा देख रहे हैं और उनसे प्रभावित हो रहे हैं। यह केवल तकनीक या अभिनय का प्रभाव नहीं है, बल्कि उनकी कहानियों की संवेदनशीलता, जीवन की वास्तविकता और मानवीय रिश्तों की गहराई का प्रभाव है। कोरियन ड्रामा का सबसे बड़ा गुण यह है कि वे जीवन की वास्तविक समस्याओं को बहुत संवेदनशील और मानवीय तरीके से प्रस्तुत करते हैं। उनमें परिवार है, प्रेम है, संघर्ष है, बीमारी है, मानसिक तनाव है, करियर की समस्याएं हैं, सामाजिक दबाव है, लेकिन इन सबके साथ समाधान भी है, आशा भी है, सकारात्मकता भी है। वे केवल समस्या नहीं दिखाते, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं। उनके पात्र अतिनाटकीय या अवास्तविक नहीं होते, बल्कि आम आदमी जैसे होते हैं, जिनकी समस्याएं भी वास्तविक होती हैं और संघर्ष भी वास्तविक होता है। कोरियन ड्रामा की एक विशेषता यह भी है कि वे सीमित एपिसोड में एक पूर्ण कहानी प्रस्तुत करते हैं। उनमें अनावश्यक विस्तार, अंतहीन षड्यंत्र और कृत्रिम मोड़ नहीं होते। कहानी का एक उद्देश्य होता है और वह उद्देश्य पूरा होते ही कहानी समाप्त हो जाती है। इस कारण उनमें कसाव, गुणवत्ता और प्रभाव बना रहता है। वे दर्शकों के समय और संवेदना दोनों का सम्मान करते हैं।

यदि हम भारतीय टीवी सीरियल्स की ओर देखें, तो स्थिति इसके विपरीत दिखाई देती है। अधिकांश धारावाहिक सास-बहू के अंतहीन संघर्ष, पारिवारिक षड्यंत्र, पुनर्जन्म, चमत्कार, बदला, ईर्ष्या और दिखावे के जीवन के इर्द-गिर्द घूमते रहते हैं। एक ही कहानी वर्षों तक चलती रहती है और उसमें वास्तविक जीवन से कोई संबंध नहीं रह जाता। परिवार, जो प्रेम, सहयोग और संवाद का केंद्र होना चाहिए, उसे षड्यंत्र और राजनीति का केंद्र बना दिया जाता है। इससे समाज में नकारात्मक मानसिकता का निर्माण होता है। भारतीय फिल्मों की स्थिति भी बहुत अलग नहीं है। अधिकांश फिल्में मारधाड़, हीरोगिरी, बदला, अपराध या अवास्तविक प्रेम कहानियों पर आधारित होती हैं। उनमें वास्तविक जीवन की समस्याओं और उनके समाधान पर बहुत कम काम होता है। जबकि आज समाज जिन समस्याओं से जूझ रहा है, वे अलग हैं-मानसिक तनाव, अवसाद, अकेलापन, पारिवारिक विघटन, पीढ़ियों के बीच संवाद की कमी, बेरोजगारी, करियर का दबाव, स्वास्थ्य समस्याएं, नशा, पर्यावरण संकट आदि। इन विषयों पर आधारित मनोरंजन बहुत कम देखने को मिलता है।

कोरियन ड्रामा की लोकप्रियता का एक कारण यह भी है कि वे दर्शकों को भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाते हैं। उन्हें देखकर व्यक्ति केवल मनोरंजन नहीं करता, बल्कि भावनात्मक रूप से जुड़ता है, जीवन को समझता है, रिश्तों की अहमियत को समझता है, धैर्य और संघर्ष की प्रेरणा पाता है। कई कोरियन ड्रामा मानसिक स्वास्थ्य, अवसाद, ऑटिज्म, अस्पताल जीवन, वकीलों के संघर्ष, शिक्षकों के जीवन, छोटे उद्यमियों के संघर्ष जैसे विषयों पर बने हैं। वे दर्शकों को संवेदनशील बनाते हैं, आक्रामक नहीं। भारत में भी कुछ अच्छे धारावाहिक बने हैं, जैसे 'हम लोग', 'बुनियाद', 'संजीवनी', 'बालिका वधू', 'उड़ान', 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' आदि, जिन्होंने समाज को कुछ सकारात्मक संदेश दिए। लेकिन ऐसे धारावाहिकों की संख्या बहुत कम है। आज जरूरत ऐसे धारावाहिकों और फिल्मों की है जो समाज को मानसिक रूप से स्वस्थ बनाएं, जीवन जीने की कला सिखाएं, तनाव से मुक्ति का मार्ग दिखाएं, परिवार को जोड़ने का संदेश दें और सकारात्मक सोच का निर्माण करें।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मनोरंजन का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं होना चाहिए, बल्कि मन का निर्माण होना चाहिए। यदि फिल्म या धारावाहिक देखकर व्यक्ति अधिक आक्रामक, असंतुष्ट, तनावग्रस्त या अवास्तविक जीवन की कल्पनाओं में खो जाए, तो वह मनोरंजन नहीं, मानसिक प्रदूषण है। लेकिन यदि कोई फिल्म या धारावाहिक व्यक्ति को प्रेरित करे, जीवन में आशा जगाए, समस्याओं से लड़ने की शक्ति दे, रिश्तों को समझने की दृष्टि दे, तो वह वास्तविक मनोरंजन है। आज समाज में मानसिक बीमारियां, अवसाद, अकेलापन और तनाव तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में मनोरंजन उद्योग की जिम्मेदारी बहुत बड़ी है। उन्हें ऐसे धारावाहिक और फिल्में बनानी चाहिए जो मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति को स्वस्थ बनने की प्रेरणा दें, सकारात्मक सोच का निर्माण करें, योग, ध्यान, संवाद, परिवार, मित्रता और जीवन के उद्देश्य के महत्व को दिखाएं। यदि इस दिशा में काम किया जाए, तो मनोरंजन उद्योग समाज के लिए वरदान बन सकता है।

यह भी विचारणीय है कि आखिर क्यों हमारे अधिकांश सीरियल सास-बहू के संघर्ष से शुरू होकर षड्यंत्र और बदले पर समाप्त होते हैं, और हमारी फिल्में मारधाड़ और हीरोगिरी पर आधारित होती हैं। इसका एक कारण यह है कि निमार्ता यह मानते हैं कि दर्शक यही देखना चाहते हैं। लेकिन यह आधा सच है। वास्तविकता यह है कि दर्शकों को अच्छा, संवेदनशील और सार्थक कंटेंट मिलेगा, तो वे उसे भी उतना ही पसंद करेंगे, जैसा आज वे कोरियन ड्रामा को पसंद कर रहे हैं। इसका

अर्थ है कि समस्या दर्शकों की पसंद में नहीं, बल्कि कंटेंट की दिशा में है। समय आ गया है कि भारतीय मनोरंजन जगत अपनी दिशा पर पुनर्विचार करे। उन्हें यह सोचना होगा कि वे समाज को किस दिशा में ले जा रहे हैं। क्या वे समाज को संवेदनशील, सकारात्मक और स्वस्थ बना रहे हैं, या केवल मनोरंजन के नाम पर नकारात्मकता, हिंसा और षड्यंत्र को बढ़ावा दे रहे हैं? मनोरंजन उद्योग केवल उद्योग नहीं है, वह समाज निर्माण का माध्यम भी है।

कोरियन ड्रामा हमें यह सिखाते हैं कि मनोरंजन भी समाज को शिक्षित कर सकता है, प्रेरित कर सकता है, भावनात्मक रूप से परिपक्व बना सकता है और जीवन को समझने की दृष्टि दे सकता है। भारतीय सिनेमा और टेलीविजन यदि इस दिशा में काम करें, तो वे केवल मनोरंजन नहीं करेंगे, बल्कि समाज को बेहतर बनाएंगे। मनोरंजन का सर्वोच्च रूप वही है जो मनुष्य को बेहतर मनुष्य बनाए, जो निराशा में आशा दे, जो टूटते परिवारों को जोड़ने की प्रेरणा दे, जो तनावग्रस्त व्यक्ति को शांति दे, जो जीवन की समस्याओं का समाधान सिखाए। जब भारतीय धारावाहिक और फिल्में इस दिशा में बननी शुरू होंगी, तब मनोरंजन वास्तव में समाज निर्माण का माध्यम बन सकेगा। यही समय की आवश्यकता है और यही भविष्य की दिशा भी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

बागी सिपाहियों को सबक सिखाने के मूड में कांग्रेस

उमेश चतुर्वेदी

पूर्वोत्तर भारत के प्रमुख राज्य असम की जहां तक बात है, तो वहां मुख्य मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस में ही है। कांग्रेस की चिढ़ यह है कि बीजेपी जिस हिमंत विस्वसरमा के चेहरे पर चुनावी मैदान में है, वह कभी कांग्रेस का ही चेहरा होते थे। कांग्रेस अपने इस पूर्व नेता को इस बार हर हाल में सबक सिखाने के मूड में नजर आ रही है।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, चुनावी घमासान बढ़ता जा रहा है। देश की सबसे पुरानी पार्टी का दांव चूंकि दो राज्यों में ही सबसे ज्यादा है, इसलिए उसका सारा ध्यान इन्हीं दो राज्यों पर है। असम और केरल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की स्थिति अलग-अलग है। इसलिए दोनों ही राज्यों में उसकी चुनौतियां अलग हैं, इसलिए उसकी लड़ाई के रूप और तरीके अलग-अलग हैं। हरियाली और समुद्री किनारे के चलते केरल को खूबसूरत राज्यों में शुमार किया जाता है। इस खूबसूरती की ही वजह से केरल को ह्यभगवान का देशह्ण कहा जाता है। बारह साल से केंद्रीय सत्ता से दूर कांग्रेस को उम्मीद भगवान के इसी देश से ही ज्यादा है। पिछले लोकसभा चुनावों में जिस तरह इस राज्य से उसे समर्थन मिला था, उसकी वजह से उसकी उम्मीदों का परवान चढ़ना स्वाभाविक है। लेकिन यहां उसकी चुनौती भगवान को न मानने वाली विचारधारा से है। केरल की सत्ता पर काबिज जिस वाममोर्चा से विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का मुकाबला है, राष्ट्रीय स्तर पर मोदी के खिलाफ बने विपक्षी मोर्चे में कांग्रेस उसी वाममोर्चे के साथ है। स्थानीय स्तर पर विरोध और राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग का विरोधाभास अगर सर्वाधिक शिक्षित राज्य में भारी पड़ सकता है। हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में राजधानी तिरूअनंतपुरम् में जीत हासिल कर चुकी बीजेपी इस विरोधाभास को खूब उछाल रही है। वैसे तो बीजेपी का दावा है कि इस बार भगवान के देश में भगवा ध्वज फहरने जा रहा है, हालांकि अब तक चुनावी अभियान से साफ है कि बीजेपी को वैसी सफलता मिलती नजर नहीं आ रही। लेकिन बीजेपी का मौजूदा जीन आखिरी दम तक हार नहीं मानने का है। इसलिए पार्टी की कोशिश सीपीएम की अगुआई वाले वाममोर्चे और कांग्रेस की अगुआई वाले संयुक्त मोर्चे के विरोधाभास को उजागर करने पर है। पार्टी को लगता है कि देश के इस सर्वाधिक साक्षर राज्य में अगर जनता ने इस विरोधाभास को समझ लिया तो राज्य के चुनावी नतीजे 2017 के उत्तर प्रदेश के परिणामों की तरह आश्चर्यजनक रूप से अपने पक्ष में किए जा सकते है। 2017 में किसने सोचा था कि भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत हासिल करेगी। इसी कोशिश के तहत अमित शाह केरल की करीब 19 प्रतिशत जनसंख्या वाले ईसाई समुदाय से लगातार संपर्क कर रहे हैं। साल 2011 की जनगणना के अनुसार, केरल के कुल 3.34 करोड़ निवासियों में से लगभग 61.41 लाख ईसाई हैं, जो मुख्य रूप से मध्य केरल में केंद्रित हैं। पारंपरिक रूप से केरल में यह समुदाय

कांग्रेस का सहयोग करता रहा है, लेकिन बीजेपी की कोशिश इस समुदाय को कांग्रेस से तोड़ने की रही है। हालिया अतीत के कुछ चुनावों में यह समुदाय बीजेपी के साथ खड़ा होता नजर आया है। इसकी वजह यह है कि राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित लव जेहाद का शिकार केरल में यह समुदाय भी होता रहा है। इससे स्थानीय स्तर पर इस समुदाय में भी कुछ वैसा ही गुस्सा है, जैसा उत्तर भारत में हिंदू समाज में ऐसा नजर आता है। कांग्रेस का संकट है कि वह वाममोर्चा का विरोध और समर्थन की उलटबांसी की सटीक काट नहीं खोज पा रही है। इस वजह से राज्य का चुनावी मुकाबला लगातार दिलचस्प होता जा रहा है। वैसे बीजेपी जिस तरह की कोशिश करती नजर आ रही है, उससे सबसे ज्यादा संकट में कांग्रेस की संभावनाएँ ही नजर आ रही है। ऐसा लगता है कि बीजेपी की रणनीति कांग्रेस को इस राज्य की सत्ता से दूर रखने की ही है।

पूर्वोत्तर भारत के प्रमुख राज्य असम की जहां तक बात है, तो वहां मुख्य मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस में ही है। कांग्रेस की चिढ़ यह है कि बीजेपी जिस हिमंत विस्वसरमा के चेहरे पर चुनावी मैदान में है, वह कभी कांग्रेस का ही चेहरा होते थे। कांग्रेस अपने इस पूर्व नेता को इस बार हर हाल में सबक सिखाने के मूड में नजर आ रही है। जिस तरह उनकी पत्नी रिंकी भुइयां सरमा के पास तीन-तीन पासपोर्ट हैं। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा का आरोप है कि रिन्की भुइयां सरमा के पास संयुक्त अरब अमीरता, एंटीगुआ और बारबुडा एवं मिस्र का पासपोर्ट है। कांग्रेस ने इसके समर्थन के कुछ दस्तावेजों की कॉपी भी दिखाई है। हालांकि हिमंत विस्वसरमा का कहना है कि कांग्रेस हताशा में है और उनकी ओर से कांग्रेस के नेताओं पर मानहानि का केस दायर करने की भी बात कही जा रही है। कांग्रेस एक तरह से अपने इस पुराने सिपाही को भ्रष्टतम साबित करने की कोशिश में है। कांग्रेस का यह भी आरोप है कि हिमंत के पास अमेरिका में भी कंपनी
बावन हजार करोड़ रूपए जमा हैं। कांग्रेस का
राहुल गांधी के आरोपों का विस्तार ही लगता है।
ने कुछ दिन पहले उन्होंने अपने पुराने सहयोगी
सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताया था। राहुल गांधी उ
वापसी के बाद जेल भेजने की बात कहते रहे हैं।
इन आरोपों के जरिए कोशिश सिर्फ हिमंत को ही
घेरे में रखना नहीं है, बल्कि बीजेपी को भी भ्रष्ट
की भी है। वैसे हिमंत भी राहुल गांधी की आलं
रहे हैं। अपने कांग्रेस छोड़ने की वजह वे राहुल
बताते रहे हैं। दोनों के रिश्तों के संदर्भ में मौजूदा
देखें तो यह निजी खुन्नस का भी मामला लगता है
आरोपों को निजी खुन्नस बताने और असम के
समझाने की कोशिश में लगे हैं। अगर वे इसमें

तो असम में कांग्रेस की चुनावी संभावना दूर होगी। अगर ऐसा हुआ तो फिर कांग्रेस के लिए उत्तर पूर्व में अपनी मौजूदगी बनाए रखना दूर की कौड़ी हो जाएगा। इसका कारण यह है कि हिमंत पूर्वोत्तर भारत में बीजेपी का चेहरा और संकट मोचक बन चुके हैं। अगर कांग्रेस की कोशिशें कामयाब रहीं तो पूर्वोत्तर में बीजेपी की राह कठिन हो जाएगी। हिमंत की हार उसकी चुनावी संभावनाओं पर बड़ा प्रश्नचिन्ह बनकर उभरेगी। असम पर काबू पाने के लिए कांग्रेस ने अपने हरावल दस्ते के हर हथियार मैदान में उतार दिए हैं। कांग्रेस की कोशिशों को पलीता उसकी प्रेस कांफ्रेंस में ही लगता दिखा, जब राष्ट्रीय मीडिया के एक पत्रकार ने उस कंपनी की वेबसाइट खोलकर उसकी स्थापना के तथ्य कांग्रेस प्रवक्ता के सामने पेश करने शुरू कर दिए, जो कांग्रेस के दावे के ठीक उलट नजर आ रहे थे। इसका माकूल और संतोषजनक जवाब कांग्रेस प्रवक्ता नहीं दे पाए।

असम से सटे पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। वहां तो वह लड़ती भी नहीं दिख रही। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी कभी कांग्रेस की सिपाही रहीं। केरल की तरह पश्चिम बंगाल में भी कांग्रेस विरोधाभास से जूझ रही है। राष्ट्रीय स्तर पर वह ममता के साथ है, लेकिन राज्य में उसकी पूरी कोशिश ममता को हिमंत की तरह सबक सिखाने की ही लग रही है। दरअसल राज्य में कांग्रेस का एक भी विधायक नहीं है। हालांकि 2023 में मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले की सगरदीघी सीट के उपचुनाव में कांग्रेस तृणमूल कांग्रेस को हराकर विधानसभा में अपना खाता खोलने में सफल रही थी। मुस्लिम बहुल विधानसभा में कांग्रेस की जीत से ममता की नींद उड़ गई थी।

जयन्त

संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com

राजकुमार राव ने शुरू की गांगुली बायोपिक की शूटिंग

राजकुमार राव ने हाल ही में अपनी फिल्म टोस्टर की अनाउंसमेंट की थी, जो नेटफ्लिक्स पर 15 अपैल को रिलीज होगी। अब उन्होंने अपनी नई फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस बात की जानकारी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की। बता दें कि एक्टर 'दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी' फिल्म की शूटिंग की शुरुआत कर चुके हैं, जो पूर्व क्रिकेटर सौरभ गांगुली पर आधारित होगी। उन्होंने पोस्ट शेयर कर कैप्शन दिया- और अब इसकी शुरुआत हो चुकी है। फिल्म को लव फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है।

बॉलीवुड सेलेब्स ने दी बधाई

पोस्ट शेयर करने के बाद बॉलीवुड सेलेब्स ने भी एक्टर को उनके प्रोजेक्ट के लिए शुभकामनाएं दी हैं। फराह खान, नेहा धूपिया और सचेत टंडन ने पोस्ट पर 'ऑल द बेस्ट' कमेंट किया। वहीं ऋत्विक साहोरे, अपारशक्ति खुराना और ईशा अग्रवाल ने भी एक्टर की पोस्ट पर कमेंट कर बधाई दी।

फिल्म के बारे में

बता दें कि फिल्म को विक्रमादित्य मोटवानी डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म पूर्व क्रिकेटर सौरभ गांगुली, जिन्हें 'दादा' के नाम से जाना जाता है, उनके जीवन और उनके क्रिकेटिंग करियर पर आधारित होगी। इस मूवी पर काफी समय से काम चल रहा था, और इसके लिए राजकुमार राव ने वजन भी घटाया है। हालांकि अभी तक फिल्म की अन्य कास्ट और इसकी रिलीज डेट को लेकर कोई अपडेट सामने नहीं आया है।

15 अप्रैल को रिलीज होगी 'टोस्टर'

राजकुमार राव फिल्म टोस्टर में नजर आने वाले हैं, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म की बाकी कास्ट की बात करें तो इसमें राजकुमार राव के साथ सान्या मल्होत्रा, फराह खान, अभिषेक बनर्जी, अर्चना पूरण सिंह, सीमा पाहवा और जितेंद्र जोशी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन विवेक दास चौधरी ने किया है। फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कुब्रा सैत ने बताया कैसे हुई 'फर्जी 2' में एंट्री

कुब्रा सैत फिल्मों से लेकर वेब सीरीज तक और बड़े पर्दे से लेकर ओटीटी तक लगातार काम कर रही हैं। वो कई बड़ी फिल्मों और सीरीज का हिस्सा रही हैं। अब अभिनेत्री शाहिद कपूर की 'फर्जी 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। शो में कुब्रा से फिर नजर आएंगी। इस बीच अभिनेत्री ने शो को लेकर बात की और बताया कि कैसे उन्होंने 'फर्जी 2' को हां कहा था?

दोनों सीजन के लिए तुरंत कह दिया था हां

बातचीत के दौरान कुब्रा ने बताया कि उन्होंने 'फर्जी 2' के लिए तुरंत हामी भर दी थी। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं बस इतना कह सकती हूं कि मैंने सीजन एक और सीजन दो के लिए साइन कर लिया था। इसलिए आपको इसे देखना ही होगा, मैं कसम खाती हूं। मेकर्स ने मुझे बताया कि वे सीजन दो के लिए एक किरदार लिख रहे हैं। मैंने कहा, 'ठीक है।' उन्होंने कहा, 'आपको पहले सीजन एक करना होगा।' मैंने कहा, 'ठीक है।' बस बात खत्म और कुछ सोचने की जरूरत नहीं थी।

मैं नहीं लेती कोई दबाव

प्रोजेक्ट पर गर्व जताते हुए कुब्रा ने कहा कि शो जिस तरह से बना है, उस पर मुझे बहुत गर्व है और मैं दूसरे सीजन के लिए बेहद उत्साहित हूं। मुझे बस इस बात की खुशी है कि मुझे मारा नहीं गया। मैंने लोगों को मारा, लेकिन मैं बच गई। मैं सीक्वल फिल्मों और

उनसे जुड़ी उम्मीदों को लेकर कोई दबाव नहीं लेती। ये राज और डीके का काम है, सुमन कुमार का काम है और किशोर का काम है। उन्हें करने दीजिए। मैं इन बातों की चिंता नहीं करती।

समय के साथ हुई मजबूत

समय के साथ अपने नजरिए में आए बदलाव पर एक्ट्रेस ने कहा कि शायद जब मैं छोटी और अनुभवहीन थी, तब मैंने दबाव महसूस किया होगा, जब मुझे लगता था कि पूरी दुनिया मेरे इर्द-गिर्द घूमती है। लेकिन जब आपको पता होता है कि आपने अपना काम ईमानदारी से किया है, तो आप इसे जाने देते हैं। समय के साथ यह विश्वास और भी मजबूत हुआ है। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में लोगों को समझने में समय लगता है। जब 'सेक्रेड गेम्स' रिलीज हुई, तब मैं मीडिया के लिए नई नहीं थी। मैं हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करती रही। जब मैंने 'रेडी' की शूटिंग की, तब मुझे यह भी नहीं पता था कि पीआर का मतलब क्या होता है? मैंने सचमुच एक रेस्टोरेंट के बाहर लोगों से इंटरव्यू लिया क्योंकि मैं चाहती थी कि लोग मुझे जानें।

राशा थडानी ने बताया क्यों पसंद हैं दक्षिण भारत की फिल्में!

एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी को साउथ सिनेमा में डेब्यू करके बेहद खुशी हो रही है। वो अपनी अगली फिल्म 'श्रीनिवासा मंगापुरम' से साउथ में कदम रखने जा रही हैं और उन्होंने ये भी बताया है कि उन्हें वहां की क्या अच्छा लगता है।

राशा थडानी की साउथ सिनेमा में एंट्री

फिल्म इंडस्ट्री में अभी सिर्फ एक फिल्म ही कर चुकीं राशा थडानी अब साउथ सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। उनकी अगली फिल्म 'श्रीनिवासा मंगापुरम' है। हाल ही में, इसी महीने उनके जन्मदिन पर, फिल्म निर्माताओं ने फिल्म के बिहाइंड द सीन्स का एक वीडियो रिलीज किया, जिसमें राशा थडानी के लुक की झलक मिलती है। फिल्म को मिल रहे रिएक्शन से एक्ट्रेस बेहद खुश हैं और इस नए प्रोजेक्ट को लेकर एक्साइटेड हैं। राशा थडानी ने पिछले साल आमन देवगन के साथ फिल्म 'आजाद' से डेब्यू किया था। इस नए प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित राशा कहती हैं, 'मुझे साउथ सिनेमा देखना बहुत पसंद है, चाहे वो प्रभास सर की फिल्में हों, जूनियर एनटीआर सर की हों, महेश बाबू सर की हों या किसी और की। मुझे उनकी फिल्मों का भव्य अंदाज बहुत अच्छा लगता है। इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना वाकई बेहद खुशी की बात है।' रश्मिका के बारे में बोलीं राशा 21 साल की राशा आगे कहती हैं कि उनकी फीमेल को-स्टार्स चाहे रश्मिका मंदाना हों या श्रीलीला, सभी बेहद प्रेरणादायक हैं।

राशा थडानी का साउथ में डेब्यू

राशा थडानी इस लव स्टोरी से साउथ सिनेमा में डेब्यू कर रही हैं, जिसमें महेश बाबू के भतीजे जया कृष्णा घट्टमनेनी भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन अजय भूपति कर रहे हैं, जिन्होंने इससे पहले फिल्म आरएक्स 100 का निर्देशन किया था। श्रीनिवासा मंगपुरम की आधिकारिक घोषणा नवंबर 2025 में की गई थी।

राशा की फिल्म 'लाइका लाइकी'

अब राशा अपनी दूसरी फिल्म 'लाइका लाइकी' की रिलीज के लिए भी तैयार हैं, जिसमें उनके साथ अभय वर्मा लीड रोल में हैं। फिल्म के पहले पोस्टर इस साल की शुरुआत में जारी किए गए थे और एक्ट्रेस को मिली प्रतिक्रिया से बेहद खुशी है। पोस्टरों के अनोखे फीचर ने कहानी को लेकर फैंस को एक्साइटेड कर दिया है और राशा इस बात से खुश हैं कि दर्शक अभी से फिल्म को लेकर खुश हैं।

फिल्म को लेकर एक्साइटेड हैं राशा

फिल्म के बारे में बात करते हुए राशा कहती हैं, 'यह फिल्म मेरे लिए बहुत बड़ी होने वाली है, और यह पहले से ही है। निर्देशक सौरभ गुप्ता ने 'एनिमल' के डायलॉग लिखे हैं और अभय बहुत खास हैं। यह फिल्म लोगों को चौंका देगी और मुझे उम्मीद है कि यह लोगों की मुझसे अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी।'

ऋषभ शेट्टी की 'छत्रपति शिवाजी महाराज' में विलेन का किरदार निभाएंगे अर्जुन रामपाल

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन रामपाल इन दिनों चर्चा में हैं। उनकी हालिया फिल्म 'धुरंधर 2' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है और अर्जुन के खलनायक किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया। अब इस सफलता के बाद अर्जुन रामपाल जल्द ही ऋषभ शेट्टी की बहुप्रतीक्षित ऐतिहासिक फिल्म 'द प्राइड ऑफ भारत: छत्रपति शिवाजी महाराज' में मुख्य विलेन के रूप में नजर आएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म में अर्जुन रामपाल एक ताकतवर विरोधी का किरदार निभाएंगे, जो मुख्य नायक यानी ऋषभ शेट्टी के किरदार से टक्कर लेगा। उनके इस रोल को लेकर फिल्म इंडस्ट्री में पहले से ही उत्साह है। फैंस अर्जुन के नए अवतार के लिए बेहद उत्साहित हैं और उनकी एक्टिंग रेंज को इस रोल में और मजबूत होने की उम्मीद है। छत्रपति शिवाजी महाराज भारतीय इतिहास के महान योद्धा की जीवन गाथा पर आधारित एक महाकाव्य फिल्म है। इसमें छत्रपति शिवाजी महाराज के साहस, रणनीति, नेतृत्व और राष्ट्रप्रेम को दर्शाया जाएगा। फिल्म में शेफाली शाह राजमाता जीजाबाई के किरदार में दिखाई देंगी। प्रोडक्शन इस साल के मध्य में शुरू होने की उम्मीद है। फिल्म तकनीकी दृष्टि से भव्य होगी और इसके सेट, विजुअल इफेक्ट्स और कॉस्ट्यूम डिजाइन को लेकर खास तैयारी की जा रही है।

अर्जुन रामपाल का किरदार

अर्जुन रामपाल ने 'धुरंधर 2' में अपने खलनायक किरदार के लिए खूब सराहना पाई। अब वह एक और बड़े प्रोजेक्ट में विलेन की भूमिका निभाकर दर्शकों को रोमांचित करने वाले हैं। उनकी भूमिका केवल एक विलेन तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि फिल्म की थ्रिल और इमोशनल इंटेंसिटी में चार-चांद लगाएगी। सोशल मीडिया पर फैंस ने अर्जुन के इस नए अवतार को लेकर उत्साह व्यक्त किया है। कई लोग मान रहे हैं कि यह किरदार उनकी एक्टिंग कैरियर के लिए महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा। फिल्म जगत के जानकार इसे 2026-27 की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक मान रहे हैं। अर्जुन रामपाल की विलेन भूमिका फिल्म को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है।

मैं किरदार और फिल्म को देखता हूं, 'धुरंधर' जैसी फिल्म में छोटा रोल करने को भी तैयार

अक्षय कुमार ने दो टूक शब्दों में कहा है कि उन्हें रणवीर सिंह की 'धुरंधर' फिल्मों में कोई प्रोपेगेंडा नहीं नजर आया। 'भूत बंगला' की रिलीज की तैयारी कर रहे एक्टर ने बातचीत में यह भी कहा कि यदि उन्हें मौका मिले तो 'धुरंधर' जैसी फिल्म में छोटा रोल करने को भी तैयार हैं।

अक्षय कुमार तकरीबन 36 साल से इंडस्ट्री में जमे हुए हैं। करीब 4 दशक के इस फिल्मी करियर में शायद ही ऐसा कोई किरदार है, जो अक्षय कुमार से अछूता रहा। एक्शन स्टार से लेकर कॉमिक जॉनर हो, मुद्दे वाली फिल्में हों या फिर देशभक्ति का अलख जगाने वाली फिल्में, अक्षय लगातार अपने क्राफ्ट के साथ एक्सपेरिमेंट्स करते चले गए। इन दिनों वह चर्चा अपनी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म के जरिए वे करीब 15-16 साल बाद निर्देशक प्रियदर्शन के साथ फिर से नजर आने वाले हैं।

किरदारों की बात की जाए, तो आप काफी दुस्साहसी और सिक्योर अभिनेता माने जाते हैं, आप रिस्क और एक्सपेरिमेंट्स से नहीं डरते?

जहां तक सिक्योर अभिनेता होने की बात है, तो मैं असल जिंदगी में भी ट्रैक पैंट और टीशर्ट में रहा हूं। ये अलग बात है कि अब अच्छे-अच्छे कपड़े पहनने मिल जाते हैं। अच्छी-अच्छी जगहों पर घूमने मिल जाता है। जहां तक सिक्योर एक्टर होने की बात है, तो भगवान ने मुझे बहुत कुछ दे दिया और वो भी अपने आप से। काम की बात करूं, तो बहुत सारा काम मेरे पास। जहां तक सिक्योरिटी की बात है, तो मेरे भीतर वो भरी हुई है। आज भी अगर कुछ ऊपर-नीचे हो जाए, तो मैं हैंडल कर लूंगा, क्योंकि मैंने खुद को असुरक्षित कभी नहीं रखा। क्या जरूरत है, रोल के छोटे -बड़े होने पर लड़ने-झगड़ने की? मैंने तो कई ऐसी फिल्में की हैं, जिसमें मेरा बड़ा रोल नहीं है। जैसे 'खाकी' में मैं इंटरवल में मर जाता हूं। मैं खुद को अहमियत देने के बजाय फिल्म को महत्व देता हूं। अब जैसे 'धुरंधर' का ही उदाहरण ले लो, अगर उसमें कोई छोटा रोल भी होता तो मैं कर लेता। मैं किरदार और फिल्म को देखता हूं।

आप तो हर जॉनर की फिल्म कर चुके हैं, चाहे वो कर्मर्शियल हो, आर्ट या फिर कॉमेडी, मगर इन दिनों जो प्रोपेगेंडा फिल्में बन रही हैं, उसके बारे में क्या कहना चाहेंगे?

प्रोपेगेंडा फिल्में क्या होती हैं? मुझे नहीं पता। फिल्म अच्छी होती है या बुरी। ये टर्म मेरी समझ से परे है। मुझे 'धुरंधर' बहुत अच्छी लगी। मैंने वो फिल्म देखी। चाहे कोई कुछ भी कहे कि वो प्रोपेगेंडा फिल्म है। मगर मुझे वो फिल्म बहुत अच्छी लगी है।

आपका करियर ग्राफ देखा जाए तो आपने कई नए निर्देशकों के अलावा कई नई नायिकाओं को भी मौका दिया है। इस फिल्म में भी आपके साथ वामिका गब्बी जैसी नई हीरोइन हैं, इसका कोई खास कारण?

क्योंकि पुराने वाले करना नहीं चाहते, वो बहुत बड़े बन गए होते हैं। मैं मजाक कर रहा हूं। मैं नए लोगों के साथ इसलिए काम करता हूं कि एक तो उनमें कुछ नया करने की भूख रहती है। उन्हें भी एक बड़ा मौका मिल रहा होता है। मैं अपने करियर का ग्राफ देखता हूं, तो उसमें जितनी भी हिट फिल्में हैं, ज्यादातर नए लोगों से आई हैं। मैं तकरीबन 24-25 नई हीरोइनों के साथ काम कर चुका हूं। सभी बहुत कमाल की रहीं। मैं ये नहीं कह रहा कि वे हीरोइनें मेरी वजह से बन गईं, मैं मानता हूं कि उन नायिकाओं ने अपना लेडी लक मुझे लाकर दिया है।

इंडस्ट्री का भूत किसे मानते हैं?

भाई, हमारी इंडस्ट्री में कोई भूत-वूत नहीं है। हमारी इंडस्ट्री बढ़िया चल रही है। मुझे 36 साल हो गए, इंडस्ट्री ने काफी कुछ दिया है। ये बहुत ही खुशनुमा जगह है।

आपके साथी कलाकार राजपाल भी पिछले कुछ अरसे से मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, क्या कहना चाहेंगे?

मुझे लगता है कि अच्छा -बुरा दौर तो हर इंसान की जिंदगी में आता है, मगर मैं एक एक्टर के रूप में इतना जरूर कह सकता हूं कि जब सीन में इनका रिस्पॉन्स आता है, तो मैं खुद को अच्छा लगने लगता हूं। इसी एक्शन-रिएक्शन की वजह से होता है ये। ऐसा ही सिलसिला मेरा परेश रावल के साथ भी चलता है। असरानी साहब भी उन्हीं अदाकारों में से थे। ये सभी उस किस्म के अदाकार हैं कि आप एवरेज भी होंगे तो बड़े लगने लग जाते हैं, क्योंकि इनका रिस्पॉन्स इतना कमाल का होता है। ये ऐसे कुछ एक्टर्स हैं, जिनके हाथ में जादू की छड़ी होती है, जो उनके लिए तो काम करती ही है, मगर ये उस छड़ी को दूसरों पर भी फेर देते हैं।

संक्षिप्त समाचार

ब्रह्मोस डिजाइन करने वाले रूसी वैज्ञानिक लियोनोव का निधन

मास्को, एजेंसी। रूस के वरिष्ठ मिसाइल डिजाइनर अलेक्जेंडर लियोनोव का 74 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह हाइपरसोनिक मिसाइल जिरकोन और भारत-रूस की ब्रह्मोस एनजी परियोजना से जुड़े थे। लियोनोव एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनीया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और मुख्य डिजाइनर थे, जो ब्रह्मोस एयरोस्पेस का रूसी साझेदार है। उनकी मृत्यु का कारण तत्काल स्पष्ट नहीं हुआ है। उन्हें जिरकोन मिसाइल के विकास का श्रेय दिया जाता है, जो ध्वनि की गति से लगभग 9 गुना तेज उड़ान भर सकती है।

ब्रिटेन में श्रद्धालु करेंगे शिक्षापत्री के दर्शन, ऑक्सफोर्ड ने शुरू की यात्रा

लंदन, एजेंसी। स्वामीनारायण संप्रदाय के पवित्र ग्रंथ शिक्षापत्री की रचना के 200 साल पूरे होने पर ब्रिटेन में एक ऐतिहासिक यात्रा शुरू की गई है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की बोडलियन लाइब्रेरी ने पवित्र ग्रंथ के सम्मान में यह पहल की है। इसके तहत, इस पांडुलिपि को संप्रदाय के संतों के सहयोग से देशभर के प्रमुख मंदिरों में ले जाया जाएगा ताकि श्रद्धालु इसका दर्शन कर सकें। गुजरात के वडताल में सहजानंद स्वामी भगवान स्वामीनारायण ने 1826 में शिक्षापत्री की रचना की थी।

तनाव के बावजूद ताइवान के छह हजार छात्रों ने की चीन में पढ़ाई

बीजिंग, एजेंसी। चीन और ताइवान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद, ताइवानी छात्रों का अपनी पढ़ाई के लिए बीजिंग जाना जारी है। ताइपे टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दो वर्षों में ताइवान के 6,000 से अधिक छात्र चीन के विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों में हिस्सा ले चुके हैं। यह स्थिति तब है जब ताइवान के अधिकारी सुरक्षा जोखिमों का हवाला देते हुए लगातार ऐसी यात्राओं के प्रति चेतावनी जारी कर रहे हैं। छात्रों के इस रुझान ने अब सरकारी सलाह की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

चीन ने फ्रांस के नागरिक को दी फांसी, पेरिस ने उठाए सवाल

बीजिंग, एजेंसी। ड्रग्स तस्करी के आरोप में 2010 में मौत की सजा पाए फ्रांसीसी नागरिक चान थाओ फौमी (62) को चीन में फांसी दे दी गई है। चीन ने रविवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि उसने राष्ट्रीयता के आधार बचाव पक्ष के साथ कोई भेदभाव नहीं किया। एक दिन पहले, फ्रांस ने मामले के निपटारे की प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे। फ्रांसीसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसे इस बात का विशेष खेद है कि बचाव पक्ष को अदालत की अंतिम सुनवाई में उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी गई।

अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा फोरम में जुटेंगे दुनियाभर के 180 प्रतिनिधि

मॉस्को, एजेंसी। रूस की राजधानी मॉस्को में 26 से 29 मई तक आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा फोरम में इस बार दुनियाभर के 180 से अधिक प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। यह एक ऐसा महत्वपूर्ण मंच है, जहां विभिन्न देशों के नेता, सैन्य अधिकारी, नीति निर्माता और विशेषज्ञ वैश्विक शांति एवं सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों पर मंथन करते हैं। इस फोरम के मुख्य एजेंडे में सुरक्षा मामलों के जिम्मेदार उच्च प्रतिनिधियों की 14वीं अंतरराष्ट्रीय बैठक के साथ-साथ कई अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम शामिल हैं।

ईंधन संकट से निपटने को नेपाल में दो दिन साप्ताहिक अवकाश

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल ने ईरान युद्ध के कारण पैदा हुए ईंधन संकट को देखते हुए सरकारी कर्मचारियों के लिए दो दिन साप्ताहिक अवकाश का एलान किया है। नए फैसले के तहत अब सरकारी दफ्तरों में शनिवार व रविवार को सप्ताहिक अवकाश रहेगा। पहले सिर्फ शनिवार को अवकाश होता था। नेपाल सरकार के प्रवक्ता सस्मित पोखरेल ने बताया कि नई कार्य अवधि के तहत सरकारी दफ्तर अब सुबह नौ से शाम पांच बजे तक खुलेंगे लेकिन यह अवधि शैक्षणिक संस्थानों पर लागू नहीं होगी।

अमेरिका और ईरान के बीच 45 दिनों के सीजफायर पर चर्चा, ट्रंप की धमकी के बीच रिपोर्ट में बड़ा दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनावपूर्ण स्थिति के बीच एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें दोनों देशों के बीच अस्थायी युद्धविरामकी संभावना को लेकर चर्चा चलने की जानकारी मिली है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका, ईरान और क्षेत्रीय मध्यस्थों का एक समूह 45 दिनों के युद्धविराम की शर्तों पर चर्चा कर रहा है, जिससे युद्ध का अस्थायी अंत हो सकता है। यह बातचीत अमेरिका, इजरायली और क्षेत्रीय स्रोतों के हवाले से सामने आई है, जो शांति वार्ता की जानकारी रखते हैं। हालांकि, सूत्रों के अनुसार, अगले 48 घंटों में इस तरह के समझौते की संभावना कम है, लेकिन यह कहा जा रहा है कि यह प्रयास युद्ध में और नाटकीय वृद्धि को रोकने का एकमात्र मौका हो सकता है।

ईरान को ट्रंप की धमकी और पलटवार : इस बीच, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर ईरान मंगलवार रात 8 बजे (अमेरिकी पूर्वी समयानुसार) तक होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से पूरी तरह से खोलने के लिए सहमत नहीं हुआ, तो वह ईरानी बिजली संयंत्रों और पुलों पर हमले करेगा। ईरान ने इस धमकी का कड़ा जवाब दिया है। ईरानी सेना ने चेतावनी दी है कि अगर उसके नागरिक ठिकानों पर हमला किया जाता है, तो ईरान की तरफ से 'बहुत अधिक विनाशकारी' जवाबी कार्रवाई की जाएगी। खतम अल-अंबिया सैन्य कमान के प्रवक्ता ने कहा, 'यदि नागरिक ठिकानों पर हमले दोहराए जाते हैं, तो हमारे आक्रामक और जवाबी कार्रवाई के अगले चरण बहुत अधिक विनाशकारी और व्यापक होंगे।

होर्मुज स्ट्रेट बंद होने का असर : होर्मुज जलडमरूमध्य, जो दुनिया के तेल परिवहन का एक महत्वपूर्ण मार्ग है, दुनिया की तेल आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा आपूर्ति करता है। इस जलमार्ग का प्रभावी रूप से बंद होना वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है, खासकर ऊर्जा कीमतों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर। इस प्रकार की स्थिति ने न केवल क्षेत्रीय, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी चिंता बढ़ा दी है, और शांति वार्ता की संभावना का पता लगाया जा रहा है, ताकि युद्ध को और बढ़ने से रोका जा सके।

क्या ट्रंप ने ईरान के लिए समय सीमा बढ़ा दी है : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए समझौता करने या विनाशकारी हमलों का सामना करने के लिए दी गई अपनी स्वयं निर्धारित समय सीमा को 24 घंटे के लिए बढ़ा दिया। उन्होंने पोस्ट में कहा, 'मंगलवार, रात 8:00 बजे पूर्वी समय!

तेहरान प्रांत में अमेरिकी-इस्राइली हमले : ईरान की राजधानी तेहरान प्रांत में अमेरिकी और इस्राइली हमलों के दौरान चार लड़कियों और दो लड़कों समेत छह बच्चों की मौत हो गई। यह जानकारी ईरानी मीडिया एजेंसी फार्स न्यूज ने दी। रिपोर्ट के अनुसार, यह हमला बहारेस्तान काउंटी के एक रिहायशी इलाके पर हुआ था, जहां पहले हुए हमले में 13 लोगों की मौत की खबर सामने आई थी। इस्राइली सेना ने घोषणा की कि तेहरान में सरकारी ढांचे पर हमलों की एक लहर पूरी कर ली गई है। ईरानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्वी तेहरान में चार और बहारेस्तान काउंटी में 13 लोगों की मौत हुई है।

हाइफा पर ईरानी मिसाइलों से हमला : इस्राइल के उत्तरी शहर हाइफा में ईरानी मिसाइलों का हमला हुआ। चैनल 12 के मुताबिक, शहर के 10 से अधिक स्थानों को निशाना बनाया गया। हालांकि, इस हमले में कोई हताहत नहीं हुए। वीडियो और तस्वीरों में इमारतों और सड़कों को मामूली नुकसान पहुंचा और एक कार में आग लगने की जानकारी सामने आई।

दक्षिण कोरिया भेजेगा विशेष दूत : दक्षिण कोरिया पश्चिम एशिया से कच्चे तेल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सऊदी अरब, ओमान और अल्जीरिया में विशेष दूत भेजने की योजना बना रहा है। डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद आन डो-गेल ने बताया कि तेल आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रयासों के तहत पांच कोरियाई ध्वज वाले जहाज सऊदी अरब भेजे जाएंगे। दक्षिण कोरिया अपनी लगभग सभी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशिया पर निर्भर है और यहां से करीब 70 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है।

यूएई की वायु रक्षा मिसाइल और ड्रोन हमलों का कर रही सामना : संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने कहा है कि देश की वायु रक्षा प्रणाली हाल ही में आए मिसाइल और ड्रोन खतरे का मुकाबला कर रही है। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने बयान में कहा कि आकाश में सुनाई दे रहे आवाज़ें रक्षा प्रणाली द्वारा किए जा रहे इंटरसेप्शन (हमलों को रोकने) के कारण हैं। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि देश अपनी सुरक्षा के लिए सतर्क है और सभी खतरों का जवाब दे रहा है।

अमेरिका में पुलिस पीछा करने की घटनाओं में आठ मौतें

टेक्सास, एजेंसी। अमेरिका में पिछले एक हफ्ते के अंदर पुलिस द्वारा किए गए हाई-स्पीड पीछा (कार चेज़) के दौरान कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई है। ये घटनाएं टेक्सास, अलबामा और कैलिफोर्निया में हुईं। अलबामा में एक कार पुलिस से बचने की कोशिश में सड़क से उतरकर पेड़ से टकरा गई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। बताया गया कि कार में बैठे लोग सीट बेल्ट नहीं लगाए हुए थे, जिससे वे बाहर जा गिरे।

टेक्सास में एक कार बिना हेडलाइट के तेज रफ्तार में भाग रही थी। पुलिस पीछा कर रही थी, तभी कार कई वाहनों से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई और चालक की मौत हो गई। कैलिफोर्निया में भी दो अलग-अलग घटनाओं में तीन लोगों की जान गई। एक मामले में आरोपी की कार ने एक दंपति को टक्कर मार दी, जो जल्द ही माता-पिता बनने वाले थे। विशेषज्ञों ने ऐसी खतरनाक पीछा करने की घटनाओं को सीमित करने की मांग की है।

ईरान में अमेरिका ने बम से उड़ा दिए अपने ही विमान, पायलट को बचाने में करोड़ों डॉलर का नुकसान

तेहरान, एजेंसी। ईरान में फंसे पायलट को निकालने के लिए अमेरिका को करोड़ों डॉलर का नुकसान झेलना पड़ा। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने इस अभियान के दौरान अपने ही विमान को उड़ा दिया। पहाड़ों में छिपे अपने कर्नल पायलट को निकालने के लिए अमेरिका ने बेहद जटिल अभियान चलाया था। उधर ईरान ने पायलट को पकड़ने पर इनाम की घोषणा कर दी थी। ऐसे में ईरान की सेना और आम लोग उसके पीछे पड़े हुए थे। अभियान के दौरान दो ब्लॉक हॉक हेलिकॉप्टरों पर ईरान ने हमला कर दिया। वहीं दो ट्रांसपोर्ट विमानों में तकनीकी खामी आ गई। इसके बाद ये विमान उड़ान भरने में सक्षम नहीं थे। इसलिए उन्हें अमेरिकी सेना ने खुद ही नष्ट कर दिया।

क्यों नष्ट करना पड़ गया अपना ही विमान : मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रेतीली जमीन में लैंडिंग या फिर किसी तकनीकी खामी की वह से अमेरिका के लॉकहीड मार्टिन सी-130 विमान उड़ान नहीं भर पा रहे थे। अमेरिका को डर था कि अगर इन विमानों को इसी हालत में छोड़ दिया गया तो विमान के साथ ही ईरान के हाथ कई दुर्लभ और सीक्रेट उपकरण भी लग जाएंगे। इसी को देखते हुए अमेरिकी सेना ने दोनों विमानों को को उड़ा दिया। ईरान ने विमान के बिखरे हुए पार्ट्स का वीडियो साझा करते हुए इसे नष्ट करने का दावा कर दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन विमानों की कीमत 10 करोड़ डॉलर के आसपास थी।

ओसामा बिन लादेन पर हमले के दौरान भी ऐसा ही हुआ था : इस मलबे में बोइंग एमएच-6 लिटल बर्ड इंजन पाया गया। आम तौर पर इसका इस्तेमाल एमसी-130 जे में किया जाता है।

पाकिस्तान के एबटाबाद में ओसामा बिन लादेन के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान भी ऐसे ही हालात बने थे। इसके बाद अमेरिकी सेना ने अपने ही विमान को उड़ा दिया था। इन विमानों में अमेरिका की खास तकनीक का इस्तेमाल किया गया था। इसके अलावा एडवांस नेविगेशन सिस्टम भी लगा हुआ था। डोनाल्ड ट्रंप ने बताया फिल्म जैसा अभियान सोशल मीडिया पर किए गए दो पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि इस अभियान के दौरान अमेरिका को पूरी तरह चुप रहना पड़ा, ताकि मिशन खतरे में न पड़े। इस दौरान राष्ट्रपति और उनके प्रशासन के शीर्ष अधिकारी लगातार पायलट की लोकेशन पर नजर रखे हुए थे। उन्होंने कहा कि यह अभियान किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं था। वाइट हाउस और पेंटागन ने प्रारंभिक दुर्घटना के बाद 24 घंटे से अधिक समय तक लड़ाकू विमान के बारे में सार्वजनिक रूप से कोई जानकारी नहीं दी, खासकर पहले पायलट के बचाव अभियान को लेकर। बाद में ट्रंप ने बताया कि ईरान में दिन के उजाले में सात घंटे तक यह अभियान चलाया गया।

भारत की कूटनीति बहुत अच्छी, युद्ध के बीच ईरान ने फिर की तारीफ

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने भारत की कूटनीति की तारीफ की है। सुप्रीम लीडर के भारत में प्रतिनिधि अब्दुल माजिद हकीम इलाही का कहना है कि भारत बड़ी भूमिका निभा सकता है। खास बात है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर ईरान को अल्टीमेटम दे दिया है। वहीं, इसके बाद ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध और तेज होने के आसार हैं। हालांकि, ट्रंप का दावा है कि सोमवार को डील हो सकती है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, इलाही ने कहा है, 'भारतीय कूटनीति बहुत अच्छी है और वे इस मुद्दे में अधिक बड़ी भूमिका भी निभा सकते हैं।' उनका बयान ऐसे समय पर आया है, जब अमेरिका और ईरान को युद्ध के बीच 1 महीने से ज्यादा समय हो गया है। विदेश नीति की भी हुई थी तारीफ कुछ दिनों पहले ही भारत में ईरान के राजदूत

मोहम्मद फताली ने कहा, 'भारत निश्चित रूप से तनाव कम करने में एक प्रभावी और सकारात्मक भूमिका निभा सकता है। ग्लोबल साउथ के एक प्रमुख देश के रूप में और अपनी संतुलित विदेश नीति के कारण, भारत तनाव कम करने और बातचीत को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए एक विशेष स्थान रखता है।' उन्होंने कहा, 'भारत के सभी पक्षों के साथ ऐतिहासिक और रणनीतिक संबंध हैं, जो इसे गलतफहमियों को कम करने और राजनयिक रास्तों को मजबूत करने में एक भरोसेमंद खिलाड़ी के रूप में कार्य करने में सक्षम बनाते हैं।' जयशंकर को मिलाया ईरानी विदेश मंत्री ने फोन भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से बात की थी। उन्होंने जानकारी दी, 'ईरान के विदेश मंत्री अराघची का फोन आया। मौजूदा स्थिति पर चर्चा हुई।' जयशंकर ने कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल थानी से भी रविवार को बात की थी। खबर है कि दोनों के बीच बातचीत में पश्चिम एशिया की स्थिति और एनर्जी सप्लाई का मुद्द उठा था। विदेश मंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से भी फोन पर बातचीत की। ट्रंप की धमकी ट्रंप ने रविवार को ईरान को सात अप्रैल तक का समय देकर कहा है कि अगर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को नहीं खोला तो वह अब ईरान के बिजली घरों और पुलों जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाएगा। उन्होंने सात अप्रैल 'मंगलवार' को 'पावर प्लांट डे' और 'ब्रिज डे' घोषित कर दिया है। उन्होंने पोस्ट किया है, ईरान में मंगलवार 'पावर प्लांट डे' और 'ब्रिज डे' होगा, सब कुछ एक साथ। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ होगा। समुद्री रास्ता स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा है।

नदी में पहुंची ग्रे व्हेल की मौत, भूख बनी वजह

वॉशिगटन, एजेंसी। अमेरिका के वॉशिगटन में एक ग्रे व्हेल, जो 20 मील अंदर नदी तक पहुंच गई थी, मृत पाई गई। यह व्हेल लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गई थी, लेकिन अब वैज्ञानिकों का मानना है कि उसकी मौत का कारण भूख हो सकता है। यह व्हेल विलापा नदी में मिली, जो समुद्र से जुड़ी है। विशेषज्ञों के अनुसार, हाल के वर्षों में ग्रे व्हेल की संख्या घट रही है क्योंकि उन्हें पर्याप्त भोजन नहीं मिल रहा। वैज्ञानिकों का कहना है कि आर्कटिक क्षेत्र में भोजन की कमी के कारण व्हेल नए इलाकों में खाने की तलाश में भटक रही हैं। इसी कारण यह व्हेल भी नदी में आ गई थी। 2025 के आंकड़ों के अनुसार, अब ग्रे व्हेल की संख्या करीब 13,000 रह गई है, जो 1970 के बाद सबसे कम है। कई व्हेल बेहद कमजोर और दुबली पाई जा रही हैं। विशेषज्ञ अब इस मृत व्हेल की जांच करेंगे, ताकि सही कारण का पता लगाया जा सके।

फलस्तीनी प्राधिकरण पर 656 मिलियन डॉलर का जुर्माना बहाल

रामल्लाह, एजेंसी। अमेरिका की एक अपील अदालत ने फलस्तीन मुक्ति संगठन और फिलिस्तीनी प्राधिकरण पर लगाया गया 656 मिलियन डॉलर (करीब 5,400 करोड़ रुपये) का जुर्माना फिर से बहाल कर दिया है। यह मामला उन अमेरिकी नागरिकों से जुड़ा है, जो इस्राइल में हुए आतंकी हमलों में मारे गए या घायल हुए थे। पहले यह फैसला रद्द कर दिया गया था, लेकिन अब अदालत ने दोबारा इसे लागू कर दिया है।

युद्ध से दुबई में पर्यटन पर संकट: 80% तक गिरी कमाई, होटल-रेस्तरां भी सूने

दुबई, एजेंसी। दुनिया के सबसे व्यस्त पर्यटन केंद्रों में शामिल दुबई पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के चलते गहरे संकट से गुजर रहा है। पिछले साल यानी 2025 में 19.59 मिलियन अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों का स्वागत करने वाला यह शहर अब खाली होटलों, सूने रेस्तरां और ठप पड़े एयर ट्रैफिक की मार झेल रहा है। पर्यटन उद्योग से जुड़े कारोबारियों के अनुसार, आय में 50% से 80% तक की गिरावट आई है, जबकि होटल ऑक्यूपेंसी कई जगह 15-20% तक सिमट गई है। बीबीसी, बुकिंग प्लेटफार्म वेगो, डाटा एनालिटिक्स कंपनी एयरडीएनए और ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स के अनुसार दुबई के रेस्तरां, जो आमतौर पर पर्यटकों और स्थानीय लोगों की भीड़ से गुलजार रहते थे, अब खाली नजर आ रहे हैं। टाशस हॉस्पिटैलिटी ग्रुप की संस्थापक नताशा साइडेरिस कहती हैं कि देशभर में 14 आउटलेट्स और 1,000 से अधिक कर्मचारियों वाले उनके ग्रुप में राजस्व 50% से अधिक गिर चुका है, जबकि पर्यटकों पर निर्भर आउटलेट्स में यह गिरावट 70% से 80% तक पहुंच गई है। हालात इतने खराब हैं कि कई प्रतिष्ठानों को अपने आधे से ज्यादा कर्मचारियों को बिना वेतन छुट्टी पर भेजना पड़ा है।

2.26 लाख से अधिक बुकिंग रद्द : डेटा फर्म एयरडीएनए के अनुसार, युद्ध शुरू होने के पहले महीने (28 फरवरी से 29 मार्च) के दौरान यूएई में 2,26,500 से अधिक शॉर्ट-टर्म बुकिंग रद्द हुई हैं।पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी होटल और शॉर्ट-टर्म अपार्टमेंट सप्लाई अब भारी दबाव में है, क्योंकि मांग अचानक गिर गई है।

प्रवासी कामगारों पर सबसे ज्यादा मार : दुबई के हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में काम करने वाले प्रवासी कामगार इस संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। कई कर्मचारियों की नौकरी चली गई है या उन्हें बिना वेतन छुट्टी पर भेज दिया गया है। एक दक्षिण एशियाई वेटर के मुताबिक, यह कोविड-19 जैसा लग रहा है।हमें डर है कि फिर से नौकरी खोकर घर लौटना पड़ सकता है।मानवाधिकार समूहों के अनुसार यूएई में कई प्रवासी पहले से ही कर्ज के बोझ में दबे हैं, जिससे यह संकट उनके लिए और गंभीर हो गया है। क्षेत्रीय स्तर पर अरबों डॉलर का

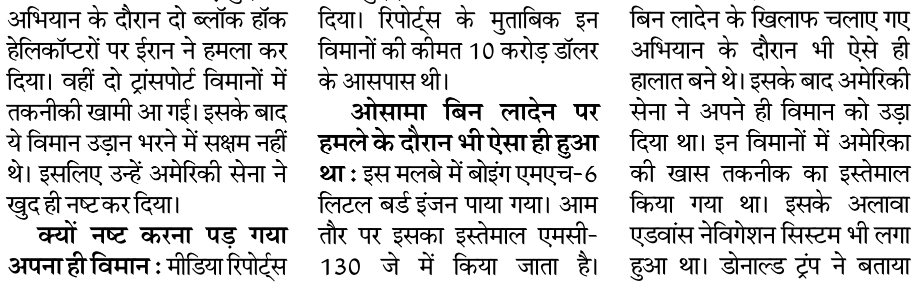

नुकसान संभव ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स की इकाई टूरिज्म इकोनॉमिक्स के अनुसार अगर युद्ध लंबा खिंचता है तो मध्य पूर्व में 23 से 38 मिलियन कम पर्यटक आ सकते हैं। इससे 34 अरब डॉलर से 56 अरब डॉलर तक के पर्यटन राजस्व का नुकसान हो सकता है। मामून हमीदेन के अनुसार अगर युद्ध जल्दी खत्म होता है तो रिकवरी संभव है, लेकिन लंबा खिंचने पर पूरे समर सीजन पर सवाल खड़े हो सकते हैं। हवाई यातायात को झटका किराया बढ़ने के भी संकेत युद्ध के कारण वैश्विक विमानन उद्योग की रीढ़ माने जाने वाला गल्फ हब मॉडल को गहरे संकट में डाल दिया है। दुबई, अबू धाबी और दोहा जैसे विश्व के सबसे व्यस्त ट्रांजिट केंद्रों पर उड़ानों में भारी बाधा, ईंधन संकट और यात्रियों की सुरक्षा चिंताओं ने न केवल तत्काल संचालन को प्रभावित किया है, बल्कि लंबे समय में हवाई यात्रा के स्वरूप को भी बदलने की आशंका पैदा कर दी है। बीबीसी और इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) के अनुसार दुबई, अबू धाबी और दोहा से सीमित लेकिन नियमित उड़ानें संचालित हो रही हैं।

हालांकि शेड्यूल अभी भी बार-बार बदल रहे हैं और कई रूट्स पर प्रतिबंध जारी हैं। ईंधन आपूर्ति भी पूरी तरह स्थिर नहीं हो पाई है। जेट फ्यूल की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर गल्फ कैरियर्स की क्षमता घटती है, तो हवाई किराए बढ़ना तय है। संघर्ष के बाद से सिरियम के विश्लेषकों के अनुसार, संघर्ष शुरू होने के बाद से मिडिल ईस्ट के लिए 30,000 से अधिक उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं।

टेक्सास में पेट्रोल टैंकर में भीषण आग

टेक्सास, एजेंसी। अमेरिका के फोर्ट वर्थ में एक पेट्रोल से भरा टैंकर ट्रक बिजली की तारों से टकराने के बाद आग की चपेट में आ गया। हादसा रविवार तड़के हुआ, जब ट्रक एक अन्य वाहन से टकराकर सड़क से फिसल गया। टैंकर में करीब 9,000 गैलन पेट्रोल भरा था, जो रिसने लगा। इसी दौरान गिरी हुई बिजली की तारों से चिंगारी निकली और आग लग गई।

ट्रक चालक आग फैलने से रोकने की कोशिश कर रहा था, लेकिन वह बुरी तरह झुलस गया और उसकी हालत गंभीर है। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई अन्य व्यक्ति घायल नहीं हुआ। दमकल की टीम ने कई घंटों तक पानी और रेत का इस्तेमाल कर आग पर काबू पाया।

एक नजर

गंदगी से पटे सार्वजनिक शौचालय

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम क्षेत्र के सार्वजनिक शौचालयों में पानी नहीं होने से गंदगी फैल रही है। सामाजिक कार्यकर्ता नरीलाल निर्वेद ने बताया कि कई शौचालय गंदगी से पटे हैं, जिससे आम आदमी को उनका उपयोग करना भी मुश्किल हो चुका है। उन्होंने समस्या के समाधान के लिए मेयर को ज्ञापन सौंपा। कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर उफल्डा से श्रीकोट तक अधिकांश सार्वजनिक शौचालयों में पानी नहीं है। मजबूरी में लोगों को खुले में जाना पड़ता है। (एजेंसी)

संवाद यात्रा के दौरान उक्रांद ने पलायन, बेरोजगारी और भू–कानून पर बोला हमला

नई टिहरी। उत्तराखंड क्रांति दल के युवा प्रकोष्ठ की गढ़वाल संवाद यात्रा के चंबा और नई टिहरी पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। यात्रा के दौरान चंबा और बौराड़ी में आयोजित जनसभा में उक्रांद पदाधिकारियों ने भाजपा और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। कहा युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार देने के लिए भाजपा व कांग्रेस के पास नीति का अभाव है।

उक्रांद युवा प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष आशीष नेगी के चंबा पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। उन्होंने बीसी गबर सिंह के स्मारक पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। गणेश चौक बौराड़ी में आयोजित सभा में नेगी ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार के पास ठोस नीति न होने के कारण जंगली जानवर खेती को नुकसान पहुंचा रहे हैं। भालू, गुलदार लगातार ग्रामीणों पर हमले कर रहे हैं जिससे लोग पहाड़ों से पलायन करने को मजबूर है।

पीएम इंटर्नशिप योजना पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : मंगलवार को राजकीय महाविद्यालय रुद्रप्रयाग में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह योजना वर्ष 2024 में कॉर्पोरेट मामलों का मंत्रालय द्वारा शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य अगले पांच वर्षों में देश की शीर्ष 500 कंपनियों में युवाओं को 1 करोड़ सशुल्क इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध कराना है।

र्यशाला का आयोजन पर्यटन विभाग के सहयोग से किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को योजना से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां विस्तार से प्रदान की गईं। कार्यशाला संयोजक डॉ. विक्रम भारती ने विद्यार्थियों को योजना के उद्देश्य, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और इससे मिलने वाले लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर एनएसएस नोडल अधिकारी श्रीकांत नौटियाल ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए योजना के व्यावहारिक लाभों और करियर निर्माण में इसकी भूमिका को समझाया तथा अधिक से अधिक छात्रों को इसका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में प्रभारी प्राचार्य डॉ. अनीता बिष्ट, डॉ. मकान प्रकाश, डॉ. गोपी प्रसाद, अंविता सिंह, डॉ. विशाल दत्ता, डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. रजनी रौठान सहित अन्य प्राध्यापक गण उपस्थित रहे। वहीं विद्यार्थियों में आदर्श, दीपक, अजय, मनीष समेत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

फूलों की घाटी में तीन फीट तक बर्फ, निरीक्षण कर लौटी टीम

चमोली। चमोली जिले में पिछले कुछ दिनों से मौसम लगातार खराब हो रहा है। बारिश और बर्फबारी से ऊंचाई वाले क्षेत्र बर्फ से ढके हुए हैं। बर्फबारी के बीच नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क की टीम फूलों की घाटी का निरीक्षण कर सोमवार देर शाम को लौट आई है। टीम ने बताया कि घाटी में इस समय तीन फीट तक बर्फ जमी हुई है। फूलों की घाटी सर्दियों में पर्यटकों के लिए बंद कर दी जाती है। घाटी में वन्य जीवों की सुरक्षा और अन्य अवैध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए समय–समय पर नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क की टीम निरीक्षण के लिए वहां जाती है। इसी क्रम में हाल ही में वन विभाग की टीम घाटी का निरीक्षण करने निकली लेकिन रास्ते में जमकर बर्फबारी होने टीम को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बर्फबारी के बावजूद टीम ने पूरी घाटी का निरीक्षण किया। फूलों की घाटी वनक्षेत्राधिकारी चेतना कांडपाल ने बताया कि घाटी का निरीक्षण कर टीम लौट आई है। वहां किसी तरह की अवैध गतिविधि के संकेत नहीं मिले हैं। घाटी में तीन फीट तक बर्फ जमी हुई है।

प्रो. रैवानी गढ़वाल विवि के कुलसचिव नियुक्त

जयन्त प्रतिनिधि।

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के कम्प्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. वाईपी रैवानी का गढ़वाल विवि का कुलसचिव नियुक्त किया गया है। इससे पहले अनीस-उज-जमान गढ़वाल विवि के कुलसचिव का दायित्व देख रहें थे। मंगलवार को गढ़वाल विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने नोटिफिकेशन जारी करते हुए गढ़वाल विवि के कम्प्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. वाईपी रैवानी का गढ़वाल विवि को कुलसचिव नियुक्त किया गया। प्रो. रैवानी अपने विभागीय दायित्व का भी निर्वहन करेगें।

हाईवे सुधारीकरण, पेयजल, विद्युत, शौचालय व पार्किंग के लिए पुख्ता इंतजाम

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : चारधाम यात्रा को लेकर चमोली जिला प्रशासन की ओर से युद्ध स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। जिलाधिकारी गौरव कुमार के निर्देश यात्रा मार्ग पर सुचारू यातायात के साथ ही पेयजल, विद्युत, शौचालय, पार्किंग व अन्य यात्री सुविधाओं के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। यात्रा मार्ग के क्षतिग्रस्त हिस्सों का जहां एनएचआईडीसीएल की ओर से सुधारीकरण किया जा रहा है। वहीं अन्य व्यवस्थाओं को संबंधित विभागों की ओर से चाक-चौबंद किया जा रहा है। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने जानकारी दी की समाचार पत्रों में जो भी पीपलकोटी से जोशीमठ के बीच शौचालय, पेयजल और पार्किंग की व्यवस्था न होने की बात लिखी जा रही है वह पूरी तरह से निराधार है। बदीनाथ धाम की यात्रा के सुचारु संचालन के जनपद में कमेड़ा, नंदप्रयाग, भनेरपानी, पागलनाला, बेलाकूची सहित सभी भूस्खलन जोन पर क्षतिग्रस्त मार्ग सुधारीकरण कार्य किया जा रहा है। यहां एनएचआईडीसीएल की ओर से हाईवे के चौड़ीकरण के साथ ही हिल साइड भी सुरक्षा कार्य किए जा रहे हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार यात्रा से पूर्व सभी स्थानों पर मार्ग सुधारीकरण के कार्य पूर्ण कर दिए जायेंगे।

आठ माह बाद भी सुरक्षा कार्य हुए न ही मुआवजा मिला

चमोली। विकासखंड के ग्वालदम में चार से अधिक तोकों की कृषि भूमि बीते वर्ष आपदा से प्रभावित हो गई थी। कृषि भूमि से सटकर बहने वाले बरसाती नालों से करीब 25 नाली भूमि प्रभावित थी लेकिन आपदा के आठ माह बीत बाद भी यहां न तो सुरक्षा कार्य हो पाए न ही काश्तकारों को मुआवजा मिल पाया। ऐसे में ग्रामीणों को बरसात में कृषि भूमि को क्षति होने की चिंता सता रही है। ग्वालदम के ग्राम प्रधान हेमलता गड़िया ने बताया कि ग्वालदम के सब्जी तोक, ताल, करूलपानी और जलचौंरा में बरसाती नालों से विगत वर्ष कृषि भूमि कटाव और भू–धंसाव हुआ था। इस संबंध में ग्राम पंचायत ने सिंचाई विभाग से चेकडैम और आरसीसी दीवार निर्माण की मांग की थी लेकिन आठ माह बाद भी अभी तक इन तोकों में रहने वाले परिवारों की कृषि भूमि सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं। फसलों और भूमि को जो नुकसान हुआ था उसका मुआवजा भी यहां के काश्तकारों को नहीं मिल पाया है।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना लाभ उठाएं छात्र

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को जागरूक करने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में छात्र-छात्राओं को योजना से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही छात्रों को इंटर्नशिप करने के लिए प्रति प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. सुधीर सिंह रावत ने कार्यशाला योजना के उद्देश्य, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया एवं योजना के लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छात्र-छात्राओं को बताया कि यह योजना उनके कौशल विकास, व्यावहारिक ज्ञान एवं भविष्य के रोजगार के अवसरों को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने छात्रों को अधिक से अधिक संख्या में इस योजना से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र चंद्र सिंह ने कहा कि छात्रों को कौशल विकास और वास्तविक कार्य अनुभव प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना की शुरुआत की है। कार्यशाला में विद्यार्थियों को योजना के उद्देश्य, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और इससे मिलने वाले लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र चंद्र सिंह, सह-नोडल अधिकारी डॉ. बचन सिंह, डॉ. विवेक रावत आदि मौजूद थे।

केदारनाथ यात्रा 2026: पार्किंग व्यवस्था मजबूत

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : 22 अप्रैल से प्रारंभ होने वाली केदारनाथ धाम यात्रा को लेकर जनपद में तैयारियां तेजी से की जा रही हैं। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के निर्देशों के क्रम में जिला प्रशासन द्वारा अभी से ही पार्किंग और यातायात व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है, ताकि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को जाम जैसी समस्याओं का सामना न करना पड़े।

हर वर्ष बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए इस बार प्रशासन ने वाहनों की सुचारु आवाजाही के लिए विस्तृत और व्यवस्थित रोडमैप तैयार किया है।

यात्रा मार्ग पर यातायात को नियंत्रित और सुचारु बनाए रखने के लिए कुल 15 पार्किंग स्थलों की व्यवस्था की गई है, जहां श्रद्धालुओं के वाहनों को व्यवस्थित रूप से खड़ा किया जाएगा। इनमें जनपद की 6 प्रमुख बड़ी पार्किंग विशेष रूप से विकसित की गई हैं, जिनमें गुलाबराय, अगस्तमुनि, सीतापुर और सोनप्रयाग प्रमुख हैं। इन स्थानों पर बड़े स्तर पर पार्किंग निर्माण और विस्तार कार्य किए गए हैं, जिससे अधिक से अधिक वाहनों को समायोजित किया जा सके। इसके अलावा, यात्रा मार्ग के विभिन्न हिस्सों में छोटी-छोटी पार्किंग स्थलों का भी विकास किया गया है, ताकि वाहनों का दबाव किसी एक स्थान पर केंद्रित न हो और यातायात सुचारु रूप से चलता रहे। जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि जनपद में छोटी और बड़ी पार्किंगों को मिलाकर कुल 15 पार्किंग स्थल तैयार किए गए हैं, जिनमें बड़ी संख्या में वाहनों को सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से पार्क करने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

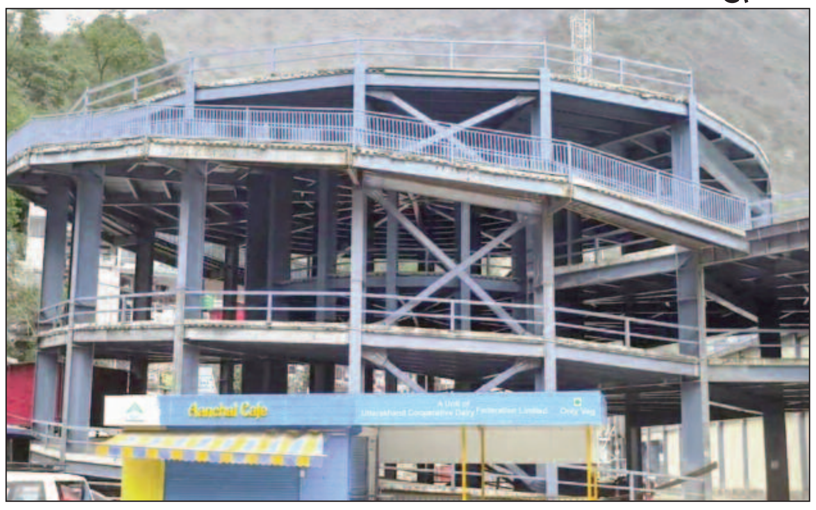

ऑल इंडिया पुलिस वाटर स्पोर्ट्स की सभी 19 टीमें पहुंची टिहरी

नई टिहरी। टिहरी बांध की झील कोटीकॉलोनी में आयोजित 25वें ऑल इंडिया पुलिस वाटर स्पोर्ट्स क्लस्टर की सभी तैयारियां पूरी कर दी गई हैं। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली महिला और पुरुष वर्ग की सभी 19 टीमें कोटीकॉलोनी पहुंच गई है। आईटीबीपी के डीआईजी रवि कुमार ने बताया कि ऑल इंडिया पुलिस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड की ओर से आयोजित वाटर स्पोर्ट्स की मेजबानी आईटीबीपी को सौंपी गई है। आज आठ अप्रैल से शुरू होने वाले पांच दिवसीय वाटर स्पोर्ट्स में शामिल होने वाली सभी 19 टीमों में शामिल आईटीबीपी, सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, एसएसबी, असम राइफल, आंध्रा प्रदेश पुलिस, अंडमान पुलिस, चंडीगढ़ पुलिस, जेएंडके पुलिस, महाराष्ट्रा पुलिस, मणिपुर पुलिस, मध्य प्रदेश पुलिस, ओडिसा पुलिस, पंजाब पुलिस, राजस्थान पुलिस, तमिलनाडू पुलिस, तेलांगाना पुलिस और यूपी पुलिस के सभी 440 महिला और पुरुष खिलाड़ी टिहरी पहुंच गए हैं।

जवाड़ी बाईपास के पास निर्माणाधीन टनल में धंसाव

रुद्रप्रयाग। जवाड़ी बाईपास के नजदीक चल रहे ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेलवे निर्माण कार्य के दौरान मंगलवार को टनल–बी 13 एस्केप टनल में अचानक से भू–धंसाव हो गया और अचानक रिसाव होने लगा। देखते ही देखते यहां पानी भरने लगा। इस दौरान अफरातफरी मच गई। समीप ही सात से आठ मजदूर काम कर रहे थे जिन्हें फटाफट वहां से निकाला गया।

हालांकि घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। टनल से मलबा और पानी निकाला जा रहा है। घटना सोमवार देर रात करीब 11:30 बजे की है। पुलिस चौकी जवाड़ी से करीब 1.5 किमी दूर निर्माणाधीन एस्केप टनल (सहायक सुरंग) हिस्से में अचानक भू–धंसाव हो गया और पानी के साथ मलबा आने लगा। देखते ही देखते टनल में पानी भर गया। समीप ही सात से आठ मजदूर काम कर रहे थे जिन्हें फटाफट वहां से निकाला गया। टनल में पानी भरने से कार्य प्रभावित हुआ। मेगा कंपनी के जनसंपर्क अधिकारी महेश भट्ट ने बताया कि घटना में किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है। कंपनी की तकनीकी टीम मौके पर पहुंचकर मरम्मत कार्य में जुटी है। मंगलवार सुबह 15 सदस्यीय एक्सपर्ट टीम ने मौके का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। फिलहाल टनल में जमा मलबा और पानी निकालने का काम जारी है। अन्य किसी के भी जाने पर रोक लगा दी गई है।

प्राकृतिक जल स्रोत के हुआ रिसाव:

मौके पर पहुंचे एसडीएम सोहन सिंह सैनी ने बताया कि रेलवे अधिकारियों के अनुसार किसी प्राकृतिक जल स्रोत के रिसाव के कारण एस्केप टनल में मलबा आ गया जिससे टनल का काम बंद हो गया है। फिलहाल यहां से मलबा हटाया जा रहा है। 2–3 दिन में टनल को फिर से खोल दिया जाएगा। खुलने के बाद दोबारा इसका निरीक्षण किया जाएगा।

सोशल मीडिया में उड़ रही खबरों को नकाराः सोशल मीडिया में टनल में पानी के रिसाव को पुनाड़ गदेरे से जोड़कर खबरें चलाई जा रही थीं। इस पर एसडीएम सोहन सिंह सैनी बताया कि रेलवे अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार यह पानी किसी प्राकृतिक स्रोत का है। सोशल मीडिया की अपुष्ट खबरों पर भरोसा न करें।पहले से ही चिह्नित था स्थानः टनल में मलबा गिरने की आशंकाओं को देखते हुए पूर्व में ही उक्त स्थान को चिह्नित किया गया था। आरवीएनएल के उप महाप्रबंधक सिविल ओपी मालगुड़ी ने कहा कि इस स्थान की भूगर्भीय स्थिति कमजोर है जिससे यहां ऊपरी छोर और किनारों से मलबा गिरने की आंशका पहले से थी। इस स्थान पर रीप्रोफाइलिंग करने के बाद फाइनल लाइनिंग की जाएगी। इस तरह की घटनाएं सुरंग खोदाई के दौरान सामान्य बात है। इससे काम की गति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

मोरी के नैटवाड़ में शिक्षिका की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

नई टिहरी। मोरी विकासखंड स्थित एक जीआईसी में तैनात एक अतिथि शिक्षिका संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में मृत मिली। घटना मंगलवार सुबह की है। शिक्षिका के विद्यालय नहीं पहुंचने पर सहकर्मियों ने मामला संदिग्ध लगने पर तुरंत पुलिस को सूचना दी। शिक्षिका पिछले लगभग तीन वर्षों से जीआईसी में कार्यरत थी। मंगलवार सुबह जब शिक्षिका विद्यालय नहीं पहुंचीं तो अन्य शिक्षकों ने पहले उनसे संपर्क करने की कोशिश की। कोई जवाब नहीं मिला। स्थिति संदिग्ध लगने पर तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही मोरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे का दरवाजा खुलवाया गया। थानाध्यक्ष दीपक रावत ने बताया कि प्रथम दृष्टया मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। घटना संदिग्ध प्रतीत हो रही है इसलिए हर पहलू से जांच की जा रही है। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए है और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

तीन माह की फीस एक साथ लिए जाने का अभिभावकों ने किया विरोध

नई टिहरी। ऑल सेंट्स कांवेंट स्कूल नई टिहरी की ओर से एक साथ तीन माह की फीस लिए जाने का अभिभावकों ने विरोध किया है। जिलाधिकारी को सौंपे ज्ञापन में अभिभावकों ने फीस सहित 15 सूत्री मांगों का जल्द निराकरण करने की गुहार लगाई है। अभिभावक सीमा भट्ट, माधुरी, गीता भट्ट, मीना राणा, भुमनेश्वरी, सीमा तड़ियाल आदि ने डीएम को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि स्कूल प्रबंधन की ओर से प्रत्येक वर्ष छात्रों से एडमिशन के नाम पर तीन हजार वार्षिक फीस वसूली जा रही है। कक्षा आठ तक के छात्रों से साइंस लैब की फीस ली जाती है जबकि स्कूल प्रबंधन की ओर से कक्षा आठ तक के छात्रों को साइंस लैब में जाना प्रतिबंधित किया गया है। लैंग्वेज लैब बंद होने के बाद भी फीस वसूली जा रही है। जिन छात्रों का कंप्यूटर विषय नहीं है उनसे भी कंप्यूटर फीस ली जाती है। एक्टिविटी के नाम पर 500 रुपये अतिरिक्त चार्ज लिया जा रहा है। सभी कक्षाओं की किताबों को प्रत्येक वर्ष बदलाव कर अभिभावकों को नए किताबें खरीदने को मजबूर किया जाता है। फीस को माह की 10 तारीक तक जमा करना अनिवार्य करने से अभिभावकों पर अनावश्यक दबाव पड़ रहा है।

आईपीएल में आज होगा दिल्ली कैपिटल्स और गुजराज टाइटंस में मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बुधवार को अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला गुजराज टाइटंस से होगा। यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में होने वाले इस मैच में दिल्ली की टीम को अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। उसका लक्ष्य इस मैच को किसी भी प्रकार जीतना रहेगा। वहीं दूसरी और गुजरात के कप्तान शुभमन गिल की टीम भी इस मैच को जीतकर लय हासिल करना चाहेगी। अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच ही 7 मुकाबले हुए हैं जिसमें से 4 गुजरात जबकि 3 दिल्ली ने जीते हैं। दोनो के बीच पिछ्ला मुकाबल साल 2025 में हुआ था जिसमें गुजरात जीती थी।

इस बार हालांकि हालात अलग हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ। ऐसे में गुजरात के बल्लेबाजों के लिए उसका सामना करना कठिन होगा। वहीं बल्लेबाजी की बात करें तो दिल्ली के युवा बल्लेबाज समीर रिजवी अच्छे फार्म में हैं। रिजवी ने पिछले दो मैचों में अच्छी बल्लेबाजी की थी। उसके पास के एल राहुल जैसा शीर्ष स्तर का बल्लेबाज भी है। राहुल हालांकि इस सत्र में अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। उनका लक्ष्य लंबी पारी खेलना रहेगा। तीसरे नंबर पर नीतीश राणा पर भी इस मैच में रन बनाने का दबाव रहेगा। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका ने यहां पिछ्ले मैच में अपनी लय हासिल कर ली थी, जिसका लाभ उन्हें मिलेगा। दिल्ली के सलमी बल्लेबाजों को पावरप्ले में गुजरात टाइटन्स के तेज गेंदबाजों कैगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज से सावधान रहना होगा।

दिल्ली कैपिल्स की गेंदबाजी लुंगी एनगिडी, मुकेश कुमार, कुलदीप यादव पर निर्भर करेगी। कप्तान अक्षर पटेल भी एक अच्छे स्पिनर हैं और उनका भी सहयोग मिलेगा। इसके अलावा टीम के पास टी नटराजन जैसा तेज गेंदबाज भी है। वहीं शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटन्स इस बार एक भी जीत हासिल नहीं कर पायी है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज विफल रहे हैं। टीम अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों साई सुदर्शन और शुभमन पर जरूरत से ज्यादा निर्भर नजर आ रही है और उसका मध्यक्रम भी अबतक विफल रहा है।

गुजरात की टीम अपने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 205 रन का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पायी। टीम के पास ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया जैसे खिलाड़ी हैं पर अब तक ये रन नहीं बना पाये हैं। कप्तान शुभमन गिल मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पिछले मैच से बाहर थे पर इस मैच से उनकी वापसी तय है। गुजरात के बल्लेबाजों ही नहीं गेंदबाजों का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है। सिराज और रबाडा दोनो ही अब तक विकेट लेने में तो सफल रहे हैं पर इन्होंने काफी रन दिये हैं। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा का प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुरुप नहीं है। केवल स्पिन राशिद और युवा तेज गेंदबाज अशोक शर्मा अब तक अच्छा प्रदर्शन कर पाये हैं।

इस प्रकार देखा जाये तो इस मैच में दिल्ली जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है। ऐसे में गुजरात को जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

टीम इस प्रकार है

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, करुण नायर, केएल राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, माधव तिवारी, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, बेन डकेट, औकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, साहिल पारख।

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, शाहरुख खान, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुथार, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कैगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, जयंत यादव, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बैंटन, पृथ्वी राज येरा, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, अरशद खान।

विराट और अनुष्का के फिल्म धुरंधर की प्रशंसा से उत्साहित हैं आदित्य धर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली और उनकी पत्नी अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने डायरेक्टर आदित्य धर की फिल्मी 'धुरंधरः द रिवेंज' की जमकर प्रशंसा की है। इसी को लेकर आदित्य धर भी उत्साहित हैं।

अदित्य ने कहा कि जिस प्रकार से कोहली ने कहा कि उन्होंने भारत में इससे पहले ऐसी फिल्म नहीं देखी से उनका हौंसला बढ़ा है। आदित्य धर ने लिखा, 'वाह! भरोसा नहीं हो रहा कि ये सच में हो रहा है विराट, इसका मेरे लिए बहुत मतलब है। मैं आपका अंडर-19 विश्व कप के दिनों से प्रशंसक हूं।'

उन्होंने साथ ही लिखा, 'एक पीढ़ी में एक बार आने वाले लीजेंड को इस तरह प्यार दिखाते देखना अलग ही एहसास है। जिस तरह आप हर बार देश का नाम रोशन करते हैं, वो हमें भी प्रेरित करता है। इसी प्रकार हम भी अपनी फिल्मों के जरिए भारत का नाम ऊंचा करने का प्रयास करते रहेंगे जय हिंद।'

आदित्य ने अनुष्का की तारीफ का भी जवाब दिया, जिसमें उन्होंने फिल्म में एक्टिंग की सराहना की थी। इसपर प्रतिक्रिया देते हुए निर्देशक ने लिखा, 'इतनी बेहतरीन कलाकार से ऐसी प्रतिक्रिया मिलना वाकई भावुक कर देने वाला अनुभव है। बहुत-बहुत धन्यवाद।'

इससे पहले विराट ने फिल्म को बेमिसाल सिनेमाई अनुभव बताया था। उन्होंने कहा था कि करीब चार घंटे की फिल्म के दौरान वह एक बार भी नहीं हिले और रणवीर सिंह के अभिनय को उन्होंने शीर्ष स्तर का बताया। अभिनेत्री अनुष्का ने भी फिल्म की सोच और क्राफ्ट की तारीफ की थी। उन्होंने इसे 'रोमांचक और डूब जाने वाला' बताया और आदित्य की सोच और कास्ट की एक्टिंग की सराहना की थी।

20 अप्रैल के बाद ही खेल पायेंगे दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज स्टार्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिल्स टीम के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अभी फिट नहीं हैं और ऐसे में वह अगले तीन मैचों में नहीं खलेगे। दिल्ली कैपिटल्स के लिए ये करारा झटका है क्योंकि स्टार्क उसके सबसे अच्छे गेंदबाज हैं। दिल्ली को बुधवार को गुजरात टाइटंस से खेलना है जिसमें उसे स्टार्क की कमी खलेगी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार स्टार्क इस समय कंधे और कोहनी की चोट से जूझ रहे है। माना जा रहा है कि वह 20 अप्रैल के बाद ही खेलने के लिए फिट हो पायेंगे। वहीं इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स को तीन मैच खेलने हैं जिसमें उसे इस तेज गेंदबाज के बिना उतरना होगा। उसे 8 अप्रैल को गुजरात टाइटंस, 11 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स और 18 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का मुकाबला करना है। स्टार्क के बाहर होने के बाद भी दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने शुरुआती दो मैच जीत लिए हैं जिससे उसका मनोबल मजबूत हुआ है।

टीम ने गेंदबाजी में मुकेश कुमार, लुंगी एनगिडी, टी नटराजन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और विप्राज निगम को शामिल किया है। स्टार्क के टीम में जुड़ने से दिल्ली की गेंदबाजी की धार बढ़ेगी।

इससे पहले स्टार्क ने कहा था कि वह केवल फिटनेस के कारण बाहर हैं। इसका कोई और मतलब नहीं निकालें। स्टार्क ने लिखा कि मीडिया में उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाये जा रहे हैं पर ये गलत है वह केवल फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर हैं।

अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम, खेलेगी चार मैचों की सीरीज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम इस महीने चार मैचों की सीरीज के लिए अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी। यह सीरीज 13 से 17 अप्रैल के बीच ब्यूनस आयर्स स्थित सिनार्ड में खेली जाएगी। इस सीरीज में भारत अपने घरेलू मैदान पर मजबूत दक्षिण अमेरिकी टीम अर्जेंटीना से भिड़ेगा, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। मैच 13, 14, 16 और 17 अप्रैल को खेले जाएंगे, जिनका समय स्थानीय समयानुसार सुबह 11ः00 बजे (भारतीय समयानुसार शाम 6ः30 बजे) रहेगा।

भारत और अर्जेंटीना के बीच पिछले कुछ वर्षों में कड़े मुकाबले देखने को मिले हैं, जिसमें पिछले साल जून में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के दौरान 2-2 से ड्रॉ मुकाबला भी शामिल है, जिसका फैसला शूटआउट से हुआ था। यह दौरा भारत के लिए उच्च स्तर की अंतरराष्ट्रीय टीम के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच अभ्यास का अवसर प्रदान करेगा और हॉकी इंडिया की रणनीतिक योजना के अनुरूप टीम को 2026 के एफआईएच हॉकी विश्व कप (बेल्जियम और नीदरलैंड) और इस साल होने वाले एशियाई खेलों से पहले लय हासिल करने में मदद करेगा।

यह सीरीज भारत के लिए काफी अहम तैयारी साबित होगी, जिसमें टीम को चार तेज-तर्रार मैच खेलने का मौका मिलेगा। साथ ही, कोचिंग स्टाफ को खिलाड़ियों के विभिन्न संयोजन और रणनीतियों को आजमाने का अवसर भी मिलेगा, क्योंकि टीम अपने कैलेंडर के महत्वपूर्ण दौर में प्रवेश कर रही है।

दौरे को लेकर भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच श्योर्ड मारिन ने कहा, 'हम 24 खिलाड़ियों के दल के साथ अर्जेंटीना जा रहे हैं और यह एक सोचा-समझा फैसला है। इस दौरे का मकसद ज्यादा खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर प्रदर्शन का मौका देना है। अर्जेंटीना दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है और वहां का माहौल हमें बताएगा कि हर खिलाड़ी किस स्तर पर खड़ा है। हम देखना चाहते हैं कि दबाव के समय कौन खिलाड़ी आगे आता है।' उन्होंने आगे कहा, 'इस टीम में जगह बनाने के लिए सबसे पहले एक टीम खिलाड़ी होना जरूरी है। व्यक्तिगत क्षमता महत्वपूर्ण है, लेकिन यदि आप टीम के साथ तालमेल नहीं बैठा सकते और एक-दूसरे के लिए काम नहीं कर सकते, तो इस टीम में जगह बनाना मुश्किल होगा।'

दिग्गज क्रिकेटर डेविड वॉर्नर गिरफ्तार

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर डेविड वॉर्नर पर ड्रिंक एंड ड्राइव का गंभीर आरोप लगा है। न्यू साउथ वेल्स पुलिस के मुताबिक, रविवार शाम करीब साढ़े पांच बजे मारूब्रा इलाके में रैंडम ब्रीथ टेस्टिंग के दौरान वॉर्नर को रोका गया। पुलिस ने बयान में बताया कि वॉर्नर की कार टेस्टिंग पॉइंट से पहले ही रुक गई थी, जिसके बाद अधिकारियों ने उन्हें चेक किया। रोडसाइड टेस्ट में वॉर्नर का रिजल्ट पॉजिटिव आया। इसके बाद उन्हें पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां दोबारा टेस्ट में उनका अल्कोहल लेवल 0.104 पाया गया। यह ऑस्ट्रेलिया की कानूनी सीमा से दोगुने से भी ज्यादा बताया जा रहा है। इस मामले में उन्हें कोर्ट में पेश होने का नोटिस जारी किया गया है। डेविड वॉर्नर को डाउनिंग सेंटर लोकल कोर्ट में पेश होना होगा। फिलहाल इस मामले ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है, क्योंकि वॉर्नर का नाम हमेशा बड़े खिलाडियों में गिना जाता रहा है।

सैमसन के कमजोर प्रदर्शन से चिंतित नहीं कोच फ्लेमिंग

बेंगलुरु। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने ट्रेड डील के जरिये हासिल किया था पर वह शुरुआती तीनो ही मैचों में असफल रहे हैं। जिससे सीएसके को भी काफी नुकसान हुआ है और टीम तीनो मैचों में हारी है हालांकि सैमसन की इस प्रकार असफल होने से टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग चिंतित नहीं हैं। फ्लेमिंग का कहना है कि सैमसन के तीन मैच के खराब प्रदर्शन से परेशान होने की जरुरत नहीं है। कोच ने कहा कि

वह हाल ही में टीम में आये हैं और टीम के माहौल के अनुसार रहने की प्रक्रिया से गुजर रहा है पर रन बनाने और टीम की सफलता में योगदान देने के लिए पूरी तरह से समर्पित है। सैमसन अब तक तीन मैचों में छह, सात और 9 रन ही बना पाये हैं। फ्लेमिंग ने कहा, जब आप किसी फ्रेंचाइजी में लंबे समय से खेल रहे हों तो फिर किसी नई टीम में जाने के बाद एकद से अलग माहौल मिलता है जिससे ढलने में समय लगता है। भले ही वह शायद काफी सहज महसूस करता हो, फिर भी अपनेपन की भावना बनी रहती है और वह इस टीम के माहौल में ढलने की प्रक्रिया से गुजर रहा है। फ्लेमिंग ने कहा कि ये विकेटकीपर बल्लेबाज हासिल करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा, टीम पांच या छह बदलाव हुए हैं। ऐसे में टीम में बेहतर तालमेल बिठाने के लिए अभी और प्रयास करना होगा। वह टीम में बहुत अच्छे से घुल–मिल गया है। फ्लेमिंग ने कहा, वह रन बनाने और सीनियर खिलाड़ियों के साथ योगदान देने के लिए तैयार हैं। हमने विश्व कप में उसके प्रदर्शन में देखा कि जब वह लय में आ जाता है तो वह बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। इसलिए इस खिलाड़ी को प्रबंधन की ओर से अपने अनुसार खेलने की आजादी है। वहीं लीग में अब तक रन नहीं बना पाये युवा आयुष म्हात्रे को लेकर फ्लेमिंग ने कहा कि उसके जैसे युवा खिलाड़ियों के साथ धैर्य रखने की जरूरत है जिससे वे निरंतरता हासिल कर सकें। म्हात्रे ने पंजाब किंग्स के खिलाफ अर्धशतक बनाया था लेकिन बेंगलुरु के खिलाफ वह एक रन ही बना पाए थे। उन्होंने कहा, हमारी टीम में अच्छा संतुलन है। हमारे पास प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और हमें यह स्वीकार करना होगा कि गलतियां भी होंगी। हमारे पास माइक हसी के रूप में एक बहुत अच्छा मार्गदर्शक है, जो एक बेहतरीन बल्लेबाजी कोच हैं और खेल की अच्छी समझ रखते हैं।

अश्विन ने आईपीएल से संन्यास के कारणों का खुलासा किया

चेन्नई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने साल 2025 में अचानक ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास की घोषणा कर सभी को हैरान कर दिया था। तब उन्होंने कहा था कि वह विदेशी लीग में खेलने के लिए ये कदम उठा रहे हैं। वहीं अब एक साल बाद अश्विन ने खुलासा किया है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में रहते हुए उन्हें मानसिक परेशानी के दौर से गुजरना पड़ा था जिसके कारण उन्हें सन्यास की घोषणा करनी पड़ी। अश्विन के अनुसार अगर उस तरह की परेशानी नहीं आती तो वह इतनी जल्दी आईपीएल नहीं छोड़ते और कुछ समय इस लीग में बने रहते। अश्विन ने साल 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके एक साल बाद उन्होंने आईपीएल से भी संन्यास की घोषणा कर दी थी। इस स्पिनर ने कहा कि उन्होंने फ्रेंचाइजी को उनके भविष्य के बारे में फैसला करने के संशय से बचाने के लिए स्वयं ही आईपीएल छोड़ दिया था।

अश्विन ने कहा, मेरा सीएसके के साथ सत्र अच्छा नहीं रहा था। यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से निराशाजनक सत्र था। सच कहूं तो मुझे लग रहा था कि मैं और खेल सकता हूं पर मैंने अचानक ही इसलिए संन्यास ले लिया क्योंकि में भावनात्मक रूप से कई अन्य चीजों को साथ लेकर नहीं खेल सकता था। अश्विन ने आईपीएल से संन्यास की घोषणा करने से पहले 2025 के सत्र में कम अवसर किए जाने के बाद सीएसके से कहा था कि उनकी भूमिका को स्पष्ट किया जाये। वह सीएसके के 14 मैचों में से केवल 9 मैच में ही खेले थे। सीएसके से ही उन्होंने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी, इसलिए वह इस टीम से भावनात्मक रुप से जुड़े थे। उन्होंने कहा, मैं वहां नहीं जाना चाहता। यह मानसिक रूप से परेशान करने वाला है। यह मेरे लिए बहुत पीड़ादायक था। मैं वहां नहीं जाना चाहता था। मैंने थोड़ी चर्चा की और फिर फैसला किया कि मैंने चेन्नई से शुरुआत की है और मैं अपने गृहनगर में ही इसे समाप्त कर रहा हूं। अश्विन ने कहा, मैंने संन्यास लेने का फैसला इसलिए किया क्योंकि इससे उन्हें मुझे टीम में बनाए रखने या बाहर करने का फैसला लेने के लिए दुविधा में नहीं पड़ना पड़ा। इसके अलावा मेरे

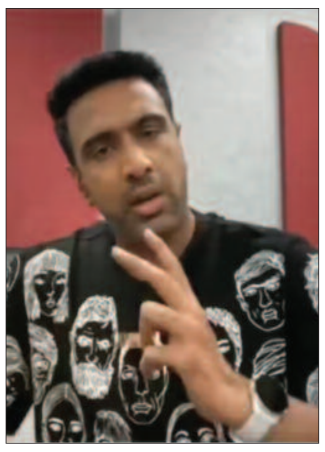

संन्यास लेने से उनकी 10 करोड़ रुपये की बचत भी हुई।

बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप से मिश्रित युगल जोड़ियां बाहर

निंगबो। भारत की बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप 2026 के मिश्रित युगल में शुरूआत निराशाजनक रही जब उसकी दोनों जोड़ियां मंगलवार को पहले दौर से हारकर बाहर हो गई। रोहन कपूर और रूत्विका शिवानी गाडे की जोड़ी मलेशिया की आठवीं वरीयता प्राप्त गोह सून हुआत और लेइ शेवोन जैमी की जोड़ी से 34 मिनट तक चले मुकाबले में 13–21, 19–21 से हारकर बाहर हो गई। एक अन्य मैच में असित सूर्या और अमृता प्रथमेश की जोड़ी मलेशिया के वोंग तियेन सि और लिम चियू सियेन से 31 मिनट में 16–21, 15–21 से हार गई। एकल वर्ग के मुकाबले बुधवार से शुरू होंगे। पुरूष एकल में आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप उपविजेता लक्ष्य सेन का सामना हांगकांग के ली चियुक यू से होगा। वहीं महिला एकल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से खेलेंगी। भारत की पुरूष टीम में सेन के अलावा किदाम्बी श्रीकांत, एच एस प्रणय और आयुष शेट्टी भी हैं। वहीं महिला टीम में सिंधू के साथ तन्वी शर्मा, उन्नति हुड्डा और मालविका बंसोड़ हैं।

कप्तान के तौर पर ईशान किशन जबरदस्त रहे हैं, वह सलाह भी मांगते हैं : हेनरिक क्लासेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के बड़े-बड़े शॉट लगाने वाले बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने कप्तान ईशान किशन की जमकर तारीफ की है। उन्होंने किशन को एक बेहतरीन कप्तान बताया और कहा कि जिस तरह से टीम इस युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज का साथ देती है, वह 'बस जबरदस्त' है। इसके अलावा फैसले लेने में उनकी शांति और टीम में मौजूद अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा करने की उनकी इच्छा भी काबिले-तारीफ है।

किशन को SRH का अंतरिम कप्तान बनाया गया था क्योंकि नियमित कप्तान पैट कमिंस कमर की चोट से उबरने की वजह से शुरुआती मैचों के लिए उपलब्ध नहीं थे। उनकी कप्तानी में स्त्रा ने एक मैच जीता है, जबकि दो मैच हारे हैं और पॉइंट्स टेबल पर 5वें स्थान पर है।

क्लासेन ने कहा, 'देखिए, मुझे लगता है कि अब तक वह बहुत बढ़िया रहे हैं। वह ऐसे इंसान हैं जो सलाह मांगते हैं। जैसा कि मैंने कहा, हमारे ड्रेसिंग रूम में बहुत अनुभव है। इसलिए वह उस अनुभव का फायदा भी उठाते हैं। लेकिन उनके फैसले लेने का तरीका, जिस तरह से वह गेंदबाजों को बदलते हैं और जिस तरह से टीम उनकी बात सुनती है, वह अब तक बस जबरदस्त रहा है।'

उन्होंने कहा, 'तो जैसा कि मैंने कहा कि टीम बहुत अच्छे हाथों में है और अच्छी बात यह है कि वह बिल्कुल भी घमंडी इंसान नहीं हैं, जिससे चीजें काफी आसान हो जाती हैं। उनकी कप्तानी में खेलना सच में बहुत मजेदार होता है। इसलिए बीच-बीच में काफी मजाक-मस्ती होती रहती है ताकि माहौल ज्यादा गंभीर न हो जाए, क्योंकि मुझे लगता है कि यह माहौल कभी-कभी खेलने के लिए काफी मुश्किल हो सकता है।'

क्लासेने ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह बहुत बढ़िया रहे हैं और घरेलू क्रिकेट में भी उन्हें काफी सफलता मिली है। मुझे लगता है कि उनकी घरेलू टीम ने एक टूर्नामेंट जीता था (झारखंड ने उनकी कप्तानी में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफ़ी जीती थी)। तो इस मामले में उनके पास काफी अनुभव है। लेकिन अब तक, मुझे उनकी कप्तानी में सच में बहुत मजा आया है और वह अब तक जबरदस्त रहे हैं।'

आवेश बल्ला जमीन पर मारने के कारण विवादों में आये

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज आवेश खान पर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मैच में आचारसंहित उल्लंघन के आरोप लगे हैं। इस मैच के अंतिम ओवर के दौरान जैसे ही कप्तान ऋषभ पंत ने विजयी रन बनाये। आवेश ने जीत की खुशी में बल्ला मैदान पर मार दिया। इसी को लेकर आपत्ति जतायी जा रही है। ये भी कहा जा रहा है कि आवेश इस प्रकार की हरकतें पहले भी करते रहे हैं। सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने इस प्रकार से बल्ला मारे जाने को नियमों का उल्लंघन करार दिया है। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि पेनल्टी के रूप में विरोधी टीम को 5 रन दिए जाने चाहिए थे। वहीं पूर्व अंपायर अनिल चौधरी ने आवेश खान ने सच में नियमों का उल्लंघन किया है। चौधरी का कहना है, 'आवेश ने जल्दी जश्न मनाते हुए बल्ला मैदान पर लगा दिया। पहले भी एक मैच में आरसीबी के खिलाफ उन्होंने जीतने के बाद हेलमेट फेंक दिया था, जिसके बाद उन पर फाइन लगा था। उन्हें इस प्रकार नियमों का उल्लघन नहीं करना चाहिये।' वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार सनराइजर्स हैदराबाद के प्रबंधन ने आवेश के व्यवहार पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इस मामले की शिकायत भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई से की जाएगी।

क्या बदलेगा आईपीएल का पूरा फार्मेट? ललित मोदी के दावे से मचा हड़कंप, हजारों करोड़ हैं दांव पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है और इस बार वजह है लीग के पूर्व आयुक्त ललित मोदी का बड़ा दावा। उन्होंने कहा है कि मौजूदा प्रारूप के कारण लीग हर साल हजारों करोड़ रुपये के अतिरिक्त राजस्व से वंचित हो रही है।

बता दें कि हाल ही में दो टीमों की ऊंची कीमत पर बिक्री के बाद आईपीएल की कुल वैल्यू को लेकर काफी उत्साह देखा गया, लेकिन ललित मोदी का मानना है कि मौजूदा ढांचा पूरी क्षमता के हिसाब से काम नहीं कर रहा है। मौजूद जानकारी के अनुसार उन्होंने यह सवाल उठाया है कि जब लीग में टीमों की संख्या बढ़कर दस हो चुकी है, तो फिर सभी टीमों के बीच पूरा घरेलू और बाहरी मुकाबलों का प्रारूप क्यों लागू नहीं किया जा रहा है।

गौरतलब है कि आईपीएल की शुरुआत में हर टीम के लिए तय था कि वह बाकी सभी टीमों के खिलाफ दो-दो मुकाबले खेलेगी। अगर इसी मॉडल को लागू किया जाए तो लीग चरण में कुल मुकाबलों की संख्या करीब 90 तक पहुंच सकती है, जिसके बाद नॉकआउट मुकाबले होते हैं। लेकिन फिलहाल लीग 74 मुकाबलों के साथ ही चल रही है, जिससे कई संभावित मैच कम हो जाते हैं।

ललित मोदी का कहना है कि हर मुकाबले से मिलने वाली आय का बड़ा हिस्सा सीधे बोर्ड और टीमों को जाता है। ऐसे में जब मैच कम होते हैं तो सीधा असर टीमों की कमाई और उनकी वैल्यू पर पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह सिर्फ खेल का मामला नहीं बल्कि एक व्यावसायिक समझौता है, जिसमें टीमों को घरेलू और बाहरी दोनों तरह के मुकाबले मिलने चाहिए।

मौजूद जानकारी के अनुसार उन्होंने अनुमान लगाया है कि अगर पूरा घरेलू-बाहरी प्रारूप लागू किया जाए तो केवल प्रसारण अधिकारों से ही हजारों करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई हो सकती है। उनका दावा है कि इससे बोर्ड को बड़ा फायदा होगा और टीमों की कमाई भी बढ़ेगी, जिससे उनकी बाजार कीमत अपने आप बढ़ जाएगी।

आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीगों में से एक बन चुकी है और इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में प्रारूप को लेकर उठ रहे सवाल यह संकेत देते हैं कि भविष्य में लीग के ढांचे पर फिर से विचार किया जा सकता है। हालांकि, व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर और खिलाड़ियों के कार्यभार जैसे मुद्दे भी इस फैसले को प्रभावित करते हैं।

कुल मिलाकर यह बहस अब सिर्फ मैचों की संख्या तक सीमित नहीं रही, बल्कि लीग के आर्थिक मॉडल और दीर्घकालिक रणनीति से भी

जुड़ गई है। आने वाले समय में इस पर क्या फैसला होता है, यह देखना दिलचस्प होगा।